डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

रॉयल पत्रिका मंगवाने के लिए संपर्क करें -
9799559096
0141-4982834

रॉयल पत्रिका

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें? और सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 5

वर्ष : 21 | अंक : 10 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 06 अप्रैल से 12 अप्रैल 2026 | साप्ताहिक | मूल्य: 7 रुपए

असम विधानसभा चुनाव 2026

मुस्लिम वोट बैंक निर्णायक लेकिन बिखरा हुआ है

-असम में करीब 34 प्रतिशत आबादी मुस्लिम हैं

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। असम विधानसभा चुनाव में राजनीतिज्ञ विश्लेषक यह तो मानते हैं कि मुस्लिम मतदाता निर्णायक हैं, लेकिन बंटे हुए हैं। असम विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत हार मुस्लिम मतदाताओं पर ही निर्भर करेगी। यदि मुस्लिम मतदाता एक साथ आकर और भाजपा को हराने के लिए मतदान करते हैं तो भाजपा की जीत मुश्किल हो सकती है। लेकिन ऐसा संभव नहीं है क्योंकि असम में कहने को तो 34 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता हैं, लेकिन राजनीतिज्ञ सूझ-बूझ कमजोर दिखाई देती है। यही कारण है कि 34 प्रतिशत मुस्लिम आबादी होने के बावजूद आज तक कोई भी मुस्लिम नेता असम का मुख्यमंत्री नहीं बन पाया है। असम का मुस्लिम शैक्षणिक, आर्थिक एवं सामाजिक रूप से पिछड़ा हुआ है। असम प्रदेश में मुसलमान के मतदाता ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) और कांग्रेस में विभाजित है। एआईयूडीएफ केवल मुस्लिम की राजनीति करती है और कांग्रेस सभी धर्म और जातियों को साथ लेकर चलती है। भाजपा असम में ध्रुवीकरण की राजनीति करती है और घुसपैठ, पहचान, एनआरसी, यूजीसी जैसे मुद्दों पर जोर देती है।

भाजपा ने एक भी मुस्लिम को विधानसभा टिकट नहीं दिया है

असम विधानसभा चुनाव 2026 में भाजपा ने एक भी मुस्लिम को विधानसभा का टिकट नहीं दिया है, जबकि भाजपा के सहयोगी पार्टी असम युवा परिषद ने कुछ मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिया है। इसका मतलब है कि भाजपा एक तरफ ध्रुवीकरण की राजनीति कर रही है तो दूसरी तरफ अप्रत्यक्ष रूप से टिकट भी दे रही है। असम में एआईयूडीएफ की पकड़ मुस्लिम क्षेत्रों में अच्छी मानी जाती है। जब से असम में एआईयूडीएफ की स्थापना मौलाना बदरुद्दीन अजमल खान ने की है, कांग्रेस का असम की सत्ता से पत्ता साफ हो गया है। असम का मुसलमान कांग्रेस को बड़ी संख्या में मत देता है, क्योंकि असम की मात्र 25-30 सीटों पर ही मौलाना बदरुद्दीन अजमल खान का प्रभाव है। दूसरी अन्य सीटों पर मुस्लिम मतदाता कांग्रेस का समर्थन करते हैं। असम में कांग्रेस की लीडरशिप काफी कमजोर है, बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता भाजपा के लिए काम करते हैं।

भाजपा के प्रदर्शन से केरल विधानसभा चुनाव में बदल सकते हैं समीकरण

तिरुवनंतपुरम। केरल में लौटेगी सत्ता परिवर्तन की परंपरा या बनेगा नया इतिहासकेरल विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या राज्य एक बार फिर सत्ता परिवर्तन की अपनी पुरानी परंपरा की ओर लौटेगा या फिर मतदाता मौजूदा सरकार को लगातार तीसरी बार चुनकर इतिहास रचेंगे। लंबे समय से यहां की राजनीति दो प्रमुख गठबंधनों के बीच केंद्रित रही है। एक सीपीआईएम के नेतृत्व वाला लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट और दूसरा और यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट जिसका नेतृत्व भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के हाथ में है। केरल के चुनावों में दोनों गठबंधन हर पांच साल में बारी-बारी से सत्ता में आते रहे हैं। लेकिन 2021 में एलडीएफ की लगातार दूसरी जीत ने इस चक्र को तोड़ दिया। पिनाराई विजयन से पहले राज्य में कोई भी मुख्यमंत्री लगातार दस साल तक सत्ता में नहीं रहा था।

वोटिंग के दौरान कैसा रहेगा रुझान

कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार चुनाव में यूडीएफ को बढ़त मिल सकती है। क्योंकि एलडीएफ को एक दशक की सत्ता-विरोधी लहर का सामना करना पड़ रहा है। 2024 के लोकसभा चुनावों में यूडीएफ ने शानदार प्रदर्शन किया था। उसने यहां की 20 से 18 सीटों पर जीत हासिल की थी। इसी के साथ यूडीएफ के वोट शेयर में भी भारी इजाफा हुआ था। 2025 के स्थानीय निकाय चुनावों में भी उसके मजबूत प्रदर्शन ने इस धारणा को और बल दिया है कि इस बार सत्ता परिवर्तन संभव है। हालांकि, गहराई से देखने पर तस्वीर उतनी सरल नहीं लगती।

कांग्रेस के लिए चिंता का विषय

दरअसल, पिछले तीन दशकों में (2004 को छोड़कर) लोकसभा चुनावों में यूडीएफ का प्रदर्शन एलडीएफ से बेहतर रहा है। इसलिए 2019 और 2024 की जीत को एक दीर्घकालिक प्रवृत्ति का हिस्सा माना जाना चाहिए। लोकसभा चुनाव में मतदाता राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस-नेतृत्व वाले गठबंधन को प्राथमिकता देते हैं। यही कारण है कि लोकसभा के नतीजों को सीधे विधानसभा चुनावों का संकेत मानना सही नहीं होगा। यह कांग्रेस के लिए चिंता का विषय भी है, क्योंकि हाल के वर्षों में उसने उन राज्यों में विधानसभा चुनाव हारे हैं जहाँ उसे पहले संसदीय बढ़त मिली थी। हरियाणा और महाराष्ट्र इसका ताजा उदाहरण है।

दिलचस्प है विधानसभा चुनावों के आंकड़े

विधानसभा चुनावों के आंकड़े भी एक दिलचस्प तस्वीर पेश करते हैं। पहले दोनों गठबंधनों के बीच वोट शेयर का अंतर बहुत कम था। दोनों के बीच पहले अक्सर तीन प्रतिशत से भी कम वोट शेयर रहता था। लेकिन पिछले दो चुनावों में यह अंतर बढ़ा है। इसके बावजूद मुकाबला अभी भी बेहद दिलचस्प बना हुआ है।

शेष पृष्ठ 2 पर....

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में 'जल स्वावलंबी' बन रहा राजस्थान

-जल संकट के समाधान में प्रभावी साबित हो रहा 'मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0'

-पेयजल और सिंचाई के पानी की उपलब्धता बढ़ी, ग्रामीणों-किसानों की चिंता हुई कम

जयपुर। भौगोलिक दृष्टि से देश के सबसे बड़े राज्य राजस्थान में कम वर्षा, अनियमित मॉनसून, भूजल के अत्यधिक दोहन और मरुस्थलीय क्षेत्र की अधिकता के कारण जल संसाधनों की कम उपलब्धता सबसे बड़ी चुनौती है। ऐसे में वर्षा के जल को व्यर्थ नहीं बहने देना और उसे भविष्य के लिए सहेजना ही एकमात्र उपाय है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में पुनर्जीवित कर चलाए जा रहे 'मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0' के जरिए हजारों गांवों के लाखों परिवारों को राहत पहुंचाई जा रही है। राज्य सरकार का लक्ष्य जल संकट से प्रभावित सभी गांवों को चरणबद्ध तरीके से कवर कर जल के मामले में आत्म-निर्भर बनाना है।

नए जल स्रोतों का निर्माण, पुरानों को पुनर्जीवित करने से आए सकारात्मक परिणाम-

'मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0' से जल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण और ग्रामीण आजीविका सुदृढ़ीकरण का समग्र मॉडल प्रस्तुत किया जा रहा है।

वर्षा जल के अधिकतम संचयन के लिए एनिकट, चेक डैम, तालाब एवं जोहड़ का निर्माण किया जा रहा है, साथ ही पुराने जल स्रोतों की मरम्मत कर पुनर्जीवित किया जा रहा है। वहीं भूजल स्तर में सुधार के लिए कुएं बनाए जा रहे हैं और सूखे बोरवेल को रिचार्ज पिट में बदला जा रहा है। इसी का परिणाम है कि कई स्थानों पर भूजल स्तर में सुधार हुआ है और गांवों में पेयजल एवं सिंचाई के लिए जल उपलब्धता बढ़ने लगी है। इसके अलावा कृषि उत्पादकता और हरित आवरण में वृद्धि, मिट्टी का कटाव कम होने और जैव विविधता में सुधार होने के साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार और आय के अवसर बढ़ रहे हैं।

चरणबद्ध रूप से बड़े लक्ष्य की प्राप्ति की ओर बढ़ रहा अभियान-

बजट 2024-25 में घोषित इस अभियान के लिए कुल 11 हजार 200 करोड़ रुपए का बजट रखा गया। जिससे 20 हजार गांवों में 5 लाख वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर्स बनाए जाने का लक्ष्य रखा गया। अभियान के पहले चरण में 349 पंचायत समितियों के 5 हजार 135 गांवों में कार्य करवाए गए। वहीं 1 लाख 10 हजार से अधिक कार्यों के लक्ष्य के विरुद्ध 1 लाख 16 हजार से अधिक कार्य किए जा चुके हैं। जिन पर 2 हजार 500 करोड़ रुपए व्यय किए गए हैं। इसी प्रकार दूसरे चरण में 337 पंचायत समितियों में एक लाख से अधिक कार्य करवाने का लक्ष्य रखा गया। जिसके विरुद्ध 2 हजार 880 करोड़ रुपए के 1 लाख 4 हजार से अधिक कार्यों का अनुमोदन किया जा चुका है। इनमें से 1 हजार 48 करोड़ से अधिक के 45 हजार से ज्यादा कार्यों की स्वीकृतियां जारी हो चुकी हैं।

शेष पृष्ठ 2 पर....

भाजपा नेता जावेद कुरैशी जी को जन्मदिन की दिली मुबारकबाद

थोड़ा बहुत हमने भी कमा रखा है...!
एक "कोहिनूर" को दोस्त बना रखा है..!!
यौमे पैदाइश बहुत बहुत मुबारक
मिनजानिब: एडवोकेट आबिद रहमानी, राजस्थान हाईकोर्ट

20 अप्रैल से शुरू होगी पहली हज फ्लाइट

मोहम्मद यासीन

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। ऑल इंडिया हज वेलफेयर सोसायटी जिला यूनिट जोधपुर के सेक्रेटरी हाजी शहजाद अंसारी ने बताया कि 2026 में राजस्थान से हज पर जाने वाले हाजियों की जयपुर से पहली फ्लाइट कि उड़ान 20 अप्रैल से शुरू होगी। राजस्थान हज वेलफेयर सोसायटी जयपुर के जनरल सेक्रेटरी हाजी निजामुद्दीन ने विशेष जानकारी दी की हज यात्रा 2026 के लिए राजस्थान से इस वर्ष कुल 4584 हज यात्री इस मुकद्दर सफर पर जाएंगे पहली उड़ान 20 अप्रैल को जयपुर से रवाना होगी ऑल इंडिया हज वेलफेयर सोसाइटी जिला यूनिट जोधपुर के अध्यक्ष सय्यद आरीफ अली ने बताया कि इस बार राज्य के हज यात्रियों को ले जाने की जिम्मेदारी फ्लाइनेस एयरलाइंस

को दी गई है जिसके बड़े विमान जयपुर से सीधे मदीना तक उड़ान भरेंगे 20 अप्रैल से 28 अप्रैल के बीच जयपुर से कुल 9 उड़ानें संचालित होगी जिसमें 3480 यात्री मदीना पहुंचेंगे इन विमानों में एक साथ लगभग 430 यात्रियों के बैठने की क्षमता होगी ऑल इंडिया हज वेलफेयर सोसायटी जोधपुर जिला ईकाई के उपाध्यक्ष मशरूर ख़ान ने जानकारी दी हज यात्री विशेष ध्यान दें हैंडबैग जो साथ में रखना है उसमें 7 किलो वजन ही ले जा सकते हैं और 20-20 किलो की दो बैग यानी दो अटेची ले जा सकते हैं।

शेष पृष्ठ 2 पर....

देश में नफरती घटनाओं में बेतहाशा वृद्धि

-फरवरी में हेट क्राइम 60% बढ़े, 'सियासत' की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

नई दिल्ली। देश के विभिन्न राज्यों में मुसलमानों के खिलाफ नफरती बयानबाजी और हिंसा की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि दर्ज की गई है। 'सियासत' (Siasat.com) द्वारा जारी एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी 2026 में पूरे भारत में हेट क्राइम के मामलों में जनवरी के मुकाबले 59.5 फीसदी (लगभग 60%) का भारी इजाफा हुआ है।

यूपी और तेलंगाना में सबसे ज्यादा मामले

रिपोर्ट के मुताबिक, फरवरी में देशभर में कम से कम 67 हेट क्राइम दर्ज किए गए। इनमें सर्वाधिक 20 मामले उत्तर प्रदेश से सामने आए। इसके बाद तेलंगाना में 14 घटनाएं दर्ज हुईं (जिनमें 13 मुसलमानों और 1 दलित समुदाय से जुड़ी थी)। इन 14 में से 5 मामले अकेले राजधानी हैदराबाद के हैं। मध्य प्रदेश भी नफरती घटनाओं के नए केंद्र के रूप में उभरा है।

सियासत, बहिष्कार और नफरत के प्रमुख मामले:

असम: एक सत्ताधारी दल (बीजेपी) के सोशल मीडिया हैंडल से विवादित AI वीडियो पोस्ट किया गया, जिसमें सीएम हिमंता बिस्वा सरमा को मुस्लिम लोगों पर गोली चलाते हुए दिखाया गया। किरकिरी होने पर इसे हटा दिया गया।

मध्य प्रदेश: बालाघाट में चरमपंथी संगठनों ने 10 मुस्लिम परिवारों के सामाजिक व व्यापारिक बहिष्कार का फरमान जारी किया। सिहोरा में लाउडस्पीकर विवाद को लेकर एक मुस्लिम लड़के से मारपीट हुई, जिसके बाद 60 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

उत्तर प्रदेश: वोटर लिस्ट संशोधन में 86 मुस्लिम मतदाताओं के नाम हटाने की झूठी शिकायत सामने आई। सहारनपुर हाइवे पर हिंदू रक्षा दल की महिला नेत्रियों ने सड़क पर नफरती स्लोगन लिखे। तेलंगाना: मेदाराम जत्रा में शेख वली पर "फूड जिहाद" का आरोप लगाकर उनका ही 'खोवा बन' खाने को मजबूर किया गया। यादाद्रि भुवनगिरि की जामा मस्जिद में तोड़फोड़, शराब की बोतलें फेंकने और पवित्र कुरान की बेहुरमती की घटना हुई। कामारेड्डी में भी सांप्रदायिक हिंसा के बाद 19 लोग गिरफ्तार हुए।

महाराष्ट्र: छत्रपति संभाजीनगर में शिवसेना विधायक अब्दुल सत्तार के मंदिर में पूजा करने के बाद मंदिर को गोमूत्र छिड़क कर "शुद्ध" किया गया।

शेष पृष्ठ 2 पर....

GRP
Great Reality Plus
Facilities Management Pvt. Ltd.
Real estate | Facilities & Hospitality | Construction Services
For Booking Commercial Space at 150 to 1500 SQ. FT.
Mayank Trade Centre, Station Road, Near.
Chandpole & SindhiCamp Metro Station, Jaipur
For Booking Premium Apartments
4BHK SSB SAPPHIRE
Moti Dungari Road, Opp. Masjid Jinsi, Jaipur
www.greatrealityplus.com greatplusfm03@gmail.com
GreatRealityPlus
+91 8386 94 70 05

जयपुर के 'हार्ट' में बिजनेस को दें नई उड़ान
'मयंक ट्रेड सेंटर' बना नया कॉर्पोरेट हब
शॉप & ऑफिस प्राइस 20 लाख To 2 Cr
100% लोन उपलब्ध

सिंधी कैंप व चांदपोल मेट्रो स्टेशन के पास बेहतरीन कनेक्टिविटी के साथ लिफ्ट पार्किंग सुविधा उपलब्ध
रेंटल इनकम & इन्वेस्टमेंट अपॉर्चुनिटी
For More Information
Please Call
8386947005
शॉप व ऑफिस 150 To 1500 SQ. FT. उपलब्ध
लोअर ग्राउंड, ग्राउंड फ्लोर, 1st, 2nd & 3rd फ्लोर उपलब्ध
मयंक ट्रेड सेंटर, स्टेशन रोड, नियर सिन्धी कैंप मेट्रो स्टेशन, जयपुर 302001

आलीसर के स्थित गुरुकुल पब्लिक स्कूल एवं गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल में प्रतिभा सम्मान समारोह

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। आलीसर के स्थित गुरुकुल पब्लिक स्कूल एवं गुरुकुल इंटरनेशनल स्कूल के प्रांगण में 'वार्षिक उत्सव' और प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि में चौमूं क्षेत्र के पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि कौन कहता है कि ग्रामीण क्षेत्र में अच्छे अंक प्राप्त करते हैं और आगे के लिए अच्छी तैयारी करके अच्छे पद की उम्मीद रखते हैं ऐसे छात्र-छात्राओं का सम्मान होना आवश्यक है। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता गोविंदगढ़ के थाना प्रभारी विनोद सांखला ने भी छात्र-छात्राओं को विद्यार्थी के चेहरे की मुस्कान और उनका आत्मविश्वास यह बताता है कि हमारे क्षेत्र की युवा प्रतिभा सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इसको लेकर सभी पुरस्कार विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य की ढेर सारी आशीर्वाद

और बधाई दी। इस मौके पर आए हुए अतिथियों ने विद्यालय के के कौन हर छात्र-छात्राओं को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियां के लिए पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। इस दौरान विद्यालय के डायरेक्टर कानाराम एवं विद्यालय के सचिव नेतराम यादव ने बताया कि नन्हे मुन्ने बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक परिस्थितियों एवं उनकी प्रतिभा ने वाकई मनमोह कर दिया। इस कार्यक्रम में यादव समाज के उपाध्यक्ष रामस्वरूप डागर, वरिष्ठ पत्रकार भगवान सहाय यादव, गजानंद यादव, पंचायत समिति सदस्य जनप्रतिनिधि रिछपाल कुमावत, मालीराम खातों दिया, कमल कुमार बुनकर पत्रकार, मालीराम करीरा, एवं इस कार्यक्रम के मंच संचालक रामनिवास यादव सहित सैकड़ों अभिभावक व ग्रामीण उपस्थित रहे।

आलीसर गांव के एक किसान की बेटी ने रचा इतिहास.....

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। कस्बे स्थित टारगेट इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर हस्तेडा़ में प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया व टॉपर बच्चों का विजय जुलूस निकाला गया। जिसमें कक्षा 12 वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम 2026 में कृषि संकाय में टारगेट संस्थान हस्तेडा़ फाउंडेशन बैच की छात्रा मनिषा शर्मा पुत्री भींवाराम शर्मा निवासी आलीसर ने 95.00% अंक प्राप्त करके ग्रामीण परिक्षेत्र व तहसील टॉपर बनके माता पिता का व संस्थान का नाम रोशन किया है इस शानदार उपलब्धि पर संस्थान में प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें सभी कक्षा 12वीं कृषि संकाय टॉपर विद्यार्थियों को अतिथियों द्वारा साफा पहनाकर व मेडल देकर सम्मानित किया गया मनिषा का सपना कृषि वैज्ञानिक बनना है संस्थान निदेशक सुरेंद्र कुमार खींचड़ ने अतिथियों का माल्यार्पण

सम्मान किया उन्होंने बताया कि हमारे पास कक्षा 12th फाउंडेशन बैच में सिर्फ 14 विधार्थी थे जो साथ में जेट की भी तैयारी कर रहे हैं सभी प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए हैं उनका मानना है कि गांवों में भी सितारे बहुत है बस उन्हें तराशने की जरूरत है इस मौके पर गुरु जी प्रभु दयाल कुमावत, भागचंद बागड़ा, चौकी प्रभारी चौथमल, अशोक यादव, सुरेश गरेड़, राकेश कुलदीप व अभिभावकगण मौजूद थे।

अब्दुल खल्लाक खान असम के मांडिया एवं गुलापारा विधानसभा क्षेत्र में ऑब्जर्वर नियुक्त

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (अल्पसंख्यक) के उपाध्यक्ष अब्दुल खल्लाक खान को पार्टी नेतृत्व द्वारा महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें असम राज्य के मांडिया एवं गुलापारा विधानसभा क्षेत्र में ऑब्जर्वर नियुक्त किया गया है। अब्दुल खल्लाक खान की इस नियुक्ति को संगठन में उनके अनुभव, सक्रियता और समर्पण का परिणाम माना जा रहा है। पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा और कार्यशैली को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है, ताकि वे मांडिया एवं गुलापारा विधानसभा क्षेत्र में संगठनात्मक गतिविधियों की निगरानी कर सकें और पार्टी को मजबूत बनाने में योगदान दे सकें ताकि पार्टी विधानसभा चुनाव में अपनी जीत दर्ज करवा सके। इस अवसर पर

कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई देते हुए विश्वास जताया है कि वे अपनी नई जिम्मेदारी का सफलतापूर्वक निर्वहन करेंगे और संगठन को नई मजबूती प्रदान करेंगे। अब्दुल खल्लाक खान ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ इस जिम्मेदारी को निभाएंगे तथा संगठन के हित में कार्य करेंगे।

सूरत में सजेगी सितारों की महफिल, उर्वशी रौतेला करेंगी 'NG MALL' का भव्य उद्घाटन

-मॉल के मुनाफे का 60 प्रतिशत हिस्सा चैरिटी में खर्च करेंगे MD सुधीर गोयल

चौमूं/जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान के चौमूं से निकलकर देश-दुनिया में अपनी पहचान बनाने की तैयारी में जुटे NG MALL की भव्य लॉन्चिंग का बिगुल बज चुका है। जयपुर जिले के चौमूं में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मॉल के MD सुधीर गोयल ने इस मेगा प्रोजेक्ट के उद्घाटन की तारीखों और आयोजनों का आधिकारिक ऐलान किया। सुधीर गोयल ने एक बड़ी घोषणा करते हुए बताया कि कंपनी अपने कुल मुनाफे का 60 प्रतिशत हिस्सा

समाज सेवा (चैरिटी) के कार्यों में लगाएगी, जिससे यह प्रोजेक्ट न केवल व्यापार बल्कि सामाजिक सरोकार का भी एक बड़ा उदाहरण बनेगा।

11 अप्रैल से कार्यक्रमों का आगाज़:-

सूरत (गुजरात) को केंद्र बनाकर आयोजित किए जा रहे इन कार्यक्रमों की शुरुआत 11 अप्रैल 2026 को होगी। सरसाना कन्वेंशन सेंटर में शाम 7 बजे से मशहूर लोक गायिका गीता रबारी के 'डायरो' (भजन व लोक संगीत) की प्रस्तुति होगी, जिससे इस उद्घाटन उत्सव की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक शुरुआत की जाएगी।

बॉलीवुड क्वीन उर्वशी रौतेला बढ़ाएंगी रौनक:-

अप्रैल के अंतिम सप्ताह में डायमंड सिटी सूरत पूरी तरह ग्लैमर के रंग में डूबी नजर आएगी।

28 अप्रैल: YPD वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में भव्य 'फैशन शो और बॉलीवुड नाइट' का आयोजन होगा।

29 अप्रैल (सुबह 10 बजे): सूरत के चर्चित 'द पोलारिस वर्ल्ड' में बॉलीवुड अभिनेत्री उधर्वशी रौतेला रिबन काटकर NG MALL का ग्रैंड ओपनिंग करेंगी।

29 अप्रैल (रात): उद्घाटन की खुशी में एक विशेष 'गरबा नाइट' का आयोजन किया गया है, जहाँ शहरवासी उर्वशी रौतेला के साथ डांडिया की धुन पर थिरक सकेंगे।

व्यापार और ग्लैमर का अनूठा संगम:-

MD सुधीर गोयल ने कहा कि NG MALL को देश के बेहतरीन शॉपिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया गया है। उद्घाटन समारोह को भव्य बनाने के लिए फैशन, संगीत और बॉलीवुड का संगम रखा गया है, ताकि सूरत की जनता के लिए यह एक यादगार अनुभव बन सके।

ग़ज़ल

दिल तड़पता रहा आँख बहती रही
मेरी ज़िन्दगी यूंही तरसती रही ।
फूल खिलते रहे खुशबू उड़ती रही
नई जिन्दगी इन से चमन की मिलती रही।
जिस तरफ भी नज़र हमने उठाई यहाँ
यास को देखा कि आरज़ू कुचलती रही ।
लाख कीं तदवीरें मगर सब बेसूद
बीच मजधार में ही किश्ती रही।
होकर आगाज़ व अंजाग से बेखबर
जिन्दगी मेरी यूं ही गुजरती रही ।
एक तसव्वुर था जो आता गया हर दम
एक तसवीर थी जो बस उभरती रही।
ज़िन्दगी की इन हसीन रातों में
मिल गये तुम तो यह संवरती रही ।
तुमने जब भी कहा है जाने के लिये
प्यास आखों की और बढ़ती रही।
देखा कैसा ख़्वाब मैंने यह "हबीब"
देखकर जिसकी हसरत मचलती रही।

-हबीबुल्लाह एडवोकेट
जवाहर नगर, जयपुर

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका के RPNews Network Pvt. Ltd. के बैंक खाते में भुगतान नगद या चेक द्वारा पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100249244 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नज़दीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं । आपके सहयोग के लिए धन्यवाद ।

-संपादक

सूचना

रॉयल पत्रिका साप्ताहिक में अगले अंकों से वक़्फ़ बोर्ड, वक़्फ़ कमेटियों, मदरसा बोर्ड, मदरसों के संचालन, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की योजनाओं, राजस्थान अल्पसंख्यक आयोग, हज कमेटी, मुस्लिम विधायक, पूर्व विधायक, मुस्लिम क्षेत्रों के विकास, शिक्षा, रोज़गार, मुस्लिम शख्सियत, समाजसेवी, व्यवसायी आदि से संबंधित खबरों को प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा ।

अत: पाठकों एवं अन्य से निवेदन है कि उपरोक्त विषय से जुड़ी जानकारी रॉयल पत्रिका के कार्यालय के पते, E-mail Address-royalpatrika@gmail.com या व्हाट्सएप (8058969180) पर भेजने की मेहरबानी करें ।

-संपादक, रॉयल पत्रिका

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

हज यात्रियों को मिल रही है रोज़ाना ट्रेनिंग- मौलाना वली मोहम्मद शेरी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। हज कैंपों से वंचित रहने वाले हज यात्रियों के लिए ख्वाजा नगर अमृतपुरी की नूरानी मस्जिद में हज ट्रेनिंग कैंप की विशेष व्यवस्था की गई है जिसमें रोजाना दो घंटे हज के मुकद्दस सफर पर जाने वालों को ट्रेनिंग दी जा रही है। ख्वाजा नगर अमृतपुरी नूरानी मस्जिद के खतीबो इमाम मौलाना काज़ी वली मोहम्मद शेरी की ओर से ये व्यवस्था नूरानी मस्जिद में है। ईद के 10 दिन बाद 30 मार्च से शुरू हुआ ये कार्यक्रम पूरे 40 दिन चलेगा जिसमें रोजाना उलामा-ए-अहले सुन्नत व विशेषज्ञ हज यात्रियों को ट्रेनिंग दे रहे हैं। रोजाना सुबह 9 बजे से 11 बजे तक चलने वाले इस ट्रेनिंग कार्यक्रम में मौलाना काज़ी वली मोहम्मद शेरी खुद हाजियों को हज व उमरा का तरीका पूरे विस्तार के साथ बयान करते हैं और काबा शरीफ का मॉडल सामने रख कर प्रैक्टिकल तौर पर हज व उमरा के अरकान बता रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रैक्टिकल ट्रेनिंग से हज यात्री बहुत जल्द ट्रेंड हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि ट्रेनर्स की कोशिश रहती है कि हज यात्रियों को हज के तमाम मसाइल की जानकारी मिल जाए और उनको एक-एक चीज़ याद हो जाए। दारुल उलूम फैज़ाने औलिया आमेर के सरबराहे आला अताए हुजूर हाफिज़े मिल्लत हज़रत अल्लामा कारी ऐहतेराम आलम अजीजी मिस्बाही ने हज यात्रा के दौरान मदीना शरीफ में ताजदारे कायनात की बारगाह में बा अदब हाज़री के नियम तथा आदाब बताये। कैंप के आयोजक हाजी आकिल अहमद व हाजी मोहम्मद जावेद अन्सारी, मोइनुद्दीन अन्सारी, मोहम्मद तौसीफ पटेल अन्सारी, हाजी जुल्फिकार

अली अन्सारी, हाजी हबीब हुसैन, मोहम्मद आरिफ अन्सारी, हाजी सय्यद मोहम्मद अली, हाजी सैय्यद मेहबूब अली ने बताया कि ये कैंप अन्जुमन मुहिब्बाने अहले बैत संस्था के तत्वावधान में लगाया जाता है साथ ही हजरत मौलाना गुलाम मोइनुद्दीन कादरी ने हुज्जाजे किराम व हज्जन साहेबात को बताया कि ऐहराम की हालत में जो बातें हराम हैं उन से बचना जरूरी है और साथ ही हृदय के अन्दर परिवर्तन के लिए हज के विशेष लक्ष्य पर भी पूरा ध्यान केंद्रित करने की अपील की गई। कैम्प में हज गाइड किताबें भी मुफ्त वितरित की गईं। इस अवसर पर अतिथियों के रूप में हजरत अल्लामा ज़ाहिद हुसैन नूरी, हजरत अल्लामा सय्यद शेर अली मदनी, हजरत अल्लामा सय्यद फहीम अहमद असदक़ी, हजरत मौलाना मोहम्मद अकरम रज़ा, मोहम्मद हनीफ खाँ नूरी आदि ने शिरकत की। कार्यक्रम की सरपरस्ती हजरत मुफ्ती अब्दुल सत्तार रजवी मुफ्ती-ए-शहर ने की अंतिम दुआ हजरत कारी ऐहतेराम आलम मिस्बाही ने की दोपहर में हाजियों को भोजन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

पृष्ठ एक का शेष....

20 अप्रैल से शुरू होगी पहली हज फ्लाइट.....

सोसायटी के वरिष्ठ सदस्य यूनुस नागौरी ने बताया कि हाजी अपने साथ वैधानिक समान ही साथ ले जाएं हाजी अपनी रोजाना खाने वाली दवाइयां को साथ रखें और डॉक्टर से लिखी हुई परची भी साथ रखें। सोसायटी के सीनियर सदस्य गुलाम सफदर ने बताया कि हाजियों ने जो ट्रेनिंग प्रोग्राम में हिस्सा लिया उसमें जो बातें बताई गई उनका विशेष ध्यान रखें ताकि हज पर जाने व हज होने तक किसी कठिनाई का सामना करना ना पड़े सोसायटी के वरिष्ठ सदस्य इनायत हुसैन ने बताया है कि इस बार हाजियों को अजीजिया मक्का में और मदीने में खाने बनाने की परमिशन नहीं है खाने बनाने का सामान बर्तन साथ ना ले जाएं आल इंडिया हज वेलफेयर सोसायटी जोधपुर जिला ईकाई के सैयद जुबेर अली ने विशेष जानकारी देते हुए कहा है कि राजस्थान से जाने वाले हाजी मक्का में और मदीना में खाना लेना चाहते हैं वह सैयद जुबेर अली मोबाइल नंबर 9114403500 से संपर्क कर सकते हैं सुबह का नाश्ता चाय कॉफी साथ दोपहर का खाना शाम का खाना बहुत बेहतरीन, अच्छा खाने की व्यवस्था की गई है वाजिब रेट पर, समय पर आपके रूम में और आपकी होटल में कैंटीन की व्यवस्था की जाएगी ताकि आप समय पर खाना खा सके और इबादत करने में कोई परेशानी ना हों हज पर जाने वाले जोधपुर से और राजस्थान के किसी भी क्षेत्र से जाने वाले हाजियों को किसी भी तरह की जानकारी हासिल करनी हो और सेवा लेनी हो तो ऑल इंडिया हाज वेलफेयर सोसाइटी जिला यूनिट के उपाध्यक्ष जब मशरूर खान मोबाइल नंबर 900 146 6212 से एनीटाइम 24 घंटे किसी भी टाइम संपर्क कर सकते हैं हाजियों की सेवा में खिदमत में हमेशा मोबाइल चालू रहेगा जो लोग ऑल इंडिया हज वेलफेयर सोसाइटी जोधपुर जिला ईकाई के व्हाट्सएप में नहीं जुड़े है वह जुड़कर रोजाना की जानकारी और अपडेट मालूम करते सकते हैं आल इंडिया हज वेलफेयर सोसायटी जोधपुर जिला ईकाई के वरिष्ठ सदस्य हाजी अब्दुल मन्नान ने बताया कि जयपुर हाउस, और एयरपोर्ट पर आपकी खिदमत के लिए उपस्थित रहेंगे।

राजस्थान में हॉकी नेतृत्व विवाद समाप्त, कोर्ट के फैसले से स्थिति स्पष्ट

करौली (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान में हॉकी के नेतृत्व को लेकर लंबे समय से चल रहा विवाद अब समाप्त हो गया है। राजस्थान हाई कोर्ट, जोधपुर के हालिया आदेश के बाद यह पूरी तरह स्पष्ट हो गया है कि अब राज्य का प्रतिनिधित्व केवल हॉकी राजस्थान द्वारा चयनित टीमें ही करेंगी और वही टीमें राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेंगी। हॉकी राजस्थान के अध्यक्ष अरुण कुमार सारस्वत ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि 1 अप्रैल को जारी न्यायालय के आदेश में पूर्व निर्णय में संशोधन किया गया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि राजस्थान हॉकी संघ को राज्य की ओर से टीम भेजने का अधिकार नहीं है। न्यायालय के इस निर्णय का तत्काल प्रभाव भी देखने को मिला है। राजस्थान हॉकी संघ द्वारा भेजी गई टीमों को झारखंड के रांची में आयोजित हॉकी इंडिया सब-जूनियर नेशनल

(महिला) तथा बिहार के राजगीर में आयोजित सब-जूनियर नेशनल (पुरुष) प्रतियोगिता से वापस लौटा दिया गया। सारस्वत ने यह भी बताया कि हॉकी इंडिया ने स्पष्ट रूप से पुष्टि की है कि राजस्थान में उनकी एकमात्र मान्यता प्राप्त इकाई हॉकी राजस्थान ही है। साथ ही, हॉकी राजस्थान को राजस्थान ओलंपिक एसोसिएशन से भी आधिकारिक मान्यता प्राप्त है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2010 से ही हॉकी राजस्थान की टीमें निरंतर राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान का प्रतिनिधित्व करती रही हैं। अब माननीय न्यायालय के ताजा फैसले के बाद राज्य में हॉकी के संचालन और प्रतिनिधित्व को लेकर सभी प्रकार की भ्रांतियां समाप्त हो गई हैं। राज. हॉकी वाइस प्रेसिडेंट डॉ. आरती भदौरिया ने बताया हॉकी राजस्थान इस निर्णय का स्वागत करते हुए राज्य में हॉकी खेल के समग्र विकास, पारदर्शिता और खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है।

पृष्ठ एक का शेष....

देश में नफरती घटनाओं में बेतहाशा वृद्धि.....

दिल्ली: एक कार्यक्रम में मुसलमानों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी कर हथियार रखने की अपील की गई। वहीं, नंद नगरी में बेटे को बचाने की कोशिश कर रहे मोहम्मद उमरुदीन को गोली मार दी गई।

'लव जिहाद' के नाम पर निशाना, जबकि सरकार कर चुकी है इनकारदेशभर में एक कथित गौरक्षक द्वारा इमरान नाम के युवक की पिटाई का वीडियो भी सामने आया है।

रिपोर्ट के अनुसार, व्यापार रोकने, इबादत, गोहत्या और "लव जिहाद" जैसे भ्रामक शब्दों का इस्तेमाल कर निशाना बनाया जा रहा है, जबकि लोकसभा में खुद केंद्र सरकार "लव जिहाद" जैसी घटनाओं के अस्तित्व से इनकार करते हुए इसे भ्रम करार दे चुकी है।

पृष्ठ एक का शेष....

भाजपा के प्रदर्शन से केरल विधानसभा चुनाव में....

140 सदस्यीय विधानसभा में एलडीएफ ने 2021 में 99 सीटें, 2016 में 91 सीटें और 2006 में 98 सीटें जीतीं, जबकि 2011 में वह सिर्फ 68 सीटों के साथ मामूली अंतर से हार गया था। इसके अलावा, 89 ऐसी सीटें हैं जहां पिछले तीन चुनावों से एक ही गठबंधन का कब्जा बना हुआ है। यहां एलडीएफ के पास 50 और यूडीएफ के पास 39 सीटें।इससे साफ है कि जमीनी स्तर पर मुकाबला कहीं अधिक जटिल है।

पिनाराई विजयन विपक्ष के किसी भी चेहरे से आगे

पिनाराई विजयन के नेतृत्व में एलडीएफ ने प्रशासनिक विश्वसनीयता की एक मजबूत छवि बनाई है। बाढ़ और महामारी जैसी आपदाओं के दौरान उनकी प्रतिक्रिया और कल्याणकारी योजनाओं ने 2021 में उसकी जीत में अहम भूमिका निभाई। हालांकि, दूसरे कार्यकाल में आर्थिक ठहराव और प्रशासनिक सुस्ती को लेकर कुछ असंतोष उभर रहा है। फिर भी व्यक्तिगत लोकप्रियता के मामले में विजयन विपक्ष के किसी भी चेहरे से आगे माने जाते हैं। पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा में कमजोर पड़ने के बाद, केरल में एलडीएफ की जीत उसके व्यापक राजनीतिक अस्तित्व के लिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

बीजेपी के पिछले प्रदर्शन से रोचक हुआ मुकाबला

इसी बीच, केरल में बीजेपी का पिछला प्रदर्शन चुनाव को और रोचक बना रहा है। अब तक तीसरे स्थान पर रहने वाली बीजेपी ने पिछले दशक में अपने वोट शेयर में लगातार वृद्धि की है। 2024 में उसने त्रिशूर लोकसभा सीट जीती। वो तिरुवनंतपुरम में दूसरे स्थान पर रही और कई अन्य क्षेत्रों में भी शानदारप्रदर्शन किया। 2025 के स्थानीय निकाय चुनावों में उसने पहली बार तिरुवनंतपुरम मेयर का पद जीतकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस बार बीजेपी केवल पारंपरिक हिंदू वोटों पर निर्भर नहीं रहना चाहती, बल्कि सभी समुदायों तक पहुंच बनाने की कोशिश कर रही है। खासकर ईसाई मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए वह सुरक्षा, पहचान और विकास से जुड़े मुद्दों पर जोर दे रही है।

पृष्ठ एक का शेष....

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में 'जल स्वावलंबी' बन.....

इस चरण में अब तक 148 करोड़ रुपए से ज्यादा व्यय कर 8 हजार से ज्यादा कार्य पूरे किए जा चुके हैं और शेष कार्यों पर तेजी से काम जारी है। वहीं, बजट 2026-27 में इस अभियान के तृतीय चरण के तहत 2 हजार 500 करोड़ रुपए की लागत से 5 हजार गांवों में 1 लाख 10 हजार कार्य करवाने की घोषणा की गई है।

जनभागीदारी और समन्वय से संसाधनों का बेहतर उपयोग और व्यापक प्रभाव-

जनकल्याण के लिए चलाए जा रहे 'मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0' में जनभागीदारी के लिए ग्राम पंचायतों की सक्रिय भूमिका तय की गई है। कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए ग्राम स्तर पर निगरानी समितियों का गठन किया है। स्वयंसेवी संगठनों के साथ सीएसआर के तहत निजी कंपनियों का सहयोग भी लिया जा रहा है, जिससे सरकारी खर्च में भी कमी आई है। योजना को प्रभावी बनाने के लिए आधुनिक तकनीकों जैसे जीआईएस आधारित मैपिंग, ड्रोन सर्वे, जल संरचनाओं के डिजिटल रिकॉर्ड का उपयोग किया जा रहा है, जिससे योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और सतत निगरानी सुनिश्चित हुई है। वहीं, इस अभियान के जल जीवन मिशन, कर्मभूमि से मातृभूमि जैसी अन्य योजनाओं से समन्वय के कारण संसाधनों का बेहतर उपयोग और व्यापक प्रभाव सुनिश्चित हुआ है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन के अनुरूप 'मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0' एक दूरदर्शी और प्रभावी पहल है, जिससे जल संकट का धीरे-धीरे समाधान हो रहा है, तथा ग्रामीण विकास, कृषि उन्नति और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिल रहा है। शर्मा के नेतृत्व में किए जा रहे नवाचारों से आने वाले समय में राजस्थान जल संकट से उबरकर एक आदर्श मॉडल के रूप में उभरकर सामने आएगा।

जयपुर में सादगी से निकाह की पहल

दहेज और फिजूलखर्ची के खिलाफ कुरैशी समाज बना मिसाल

-इस्लाहे मआशरा मुहिम दे रही नया संदेश

जावेद अख्तर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान में खासकर जयपुर के कुरैशी समाज ने एक ऐसी पहल शुरू की है, जो समाज सुधार की मिसाल बनती जा रही है। "इस्लाहे मआशरा" के तहत शादी-विवाह को आसान, सादा और शरई तरीके से करने की मुहिम तेज़ी पकड़ रही है। इस पहल का मकसद है दहेज जैसी कुरीतियों को खत्म करना और गरीब परिवारों को राहत देना, ताकि बेटियों की शादी बिना बोझ के हो सके।

सादगी से निकाह, खत्म हो रहा दिखावा

इस मुहिम के तहत निकाह पूरी तरह सादगी से मस्जिद में कराए जा रहे हैं। न गार्डन, न डिनर और न ही किसी तरह का दिखावा—बस शरीयत के मुताबिक निकाह और मेहमानों को खजूर व शरबत से इस्तकबाल। यह पहल पैगंबर मुहम्मद साहब की सुन्नतों को जिंदा करने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है, जिसमें निकाह को आसान और बरकत वाला बताया गया है।

कुरैशी समाज ने पेश की अनोखी मिसाल

कुरैशी समाज के कई जिम्मेदार और वरिष्ठ लोग खुद आगे आकर इस मुहिम को मजबूत कर रहे हैं। झोटवाड़ा निवासी समाजसेवी छुट्टन कुरैशी ने अपनी बेटी की शादी "नो गार्डन, नो डिनर, नो दहेज" के सिद्धांत पर कर समाज के सामने एक नई राह दिखाई। ऐसे कदमों से समाज में सकारात्मक बदलाव की लहर देखने को मिल रही है।

नूरानी मस्जिद में सादगी से हुआ निकाह

हाल ही में नाहरी का नाका स्थित नूरानी मस्जिद में शहजाद अहमद कुरैशी की पुत्री अलवीरा कुरैशी का निकाह फैजान कुरैशी के साथ सादगी से संपन्न हुआ।

मुफ्ती अबरार अहमद साहब ने निकाह पढ़ाया। शरीयत के मुताबिक रस्म अदायगी के बाद मेहमानों को खजूर और शरबत पेश किया गया और दुल्हन की रुखसती सादगी से हुई। इस मौके पर बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

अब तक 135 से ज्यादा शादियां हो चुकी

इस मुहिम के तहत अब तक 135 से अधिक शादियां बिना दहेज और फिजूल खर्ची के संपन्न कराई जा चुकी हैं। इस्लाहे मआशरा कमेटी लगातार ऐसे आयोजनों में अहम भूमिका निभा रही है। कमेटी का लक्ष्य है कि इस अभियान को पूरे राजस्थान और फिर देशभर में फैलाया जाए, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इससे जुड़ सकें।

दहेज प्रथा पर लग रही रोक मजबूत

इस पहल से दहेज लेने-देने की प्रथा पर प्रभावी रोक लगती नजर आ रही है। आमतौर पर देखा जाता है कि दहेज के कारण लड़की वालों पर आर्थिक बोझ बढ़ जाता है और कई बार कर्ज लेना पड़ता है।

लेकिन इस मुहिम के जरिए अब शादियां बिना लेन-देन के हो रही हैं, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों को बड़ी राहत मिल रही है।

शिक्षा पर खर्च, फिजूलखर्ची पर रोक

समाजसेवी राजस्थान प्रदेश कॉंग्रेस महासचिव इमरान कुरैशी का कहना है कि शादियों में होने वाली फिजूलखर्ची को रोककर बच्चों की शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए। उनका मानना है कि जिस पैसे को लोग दिखावे में खर्च करते हैं, वही अगर बच्चों की तालीम और बेहतर भविष्य पर लगाया जाए तो समाज का विकास संभव है। इस सोच को समाज में तेजी से समर्थन मिल रहा है।

समाज सुधार की दिशा में मजबूत कदम

कुल मिलाकर, कुरैशी समाज की यह पहल न सिर्फ एक सामाजिक बदलाव की शुरुआत है, बल्कि पूरे देश के लिए एक प्रेरणा भी बन सकती है। सादगी, समानता और इंसानियत के इस संदेश के साथ "इस्लाहे मआशरा" मुहिम समाज को एक नई दिशा देने का काम कर रही है।

वर्ल्ड हेरिटेज जयपुर पर संकट

यूनेस्को की चेतावनी के बाद भी नहीं जागा नगर निगम, रामगंज में गंदगी और अव्यवस्था का अंबार

हरि चौधरी

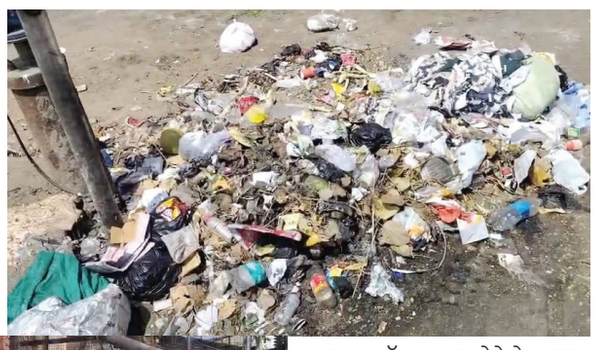

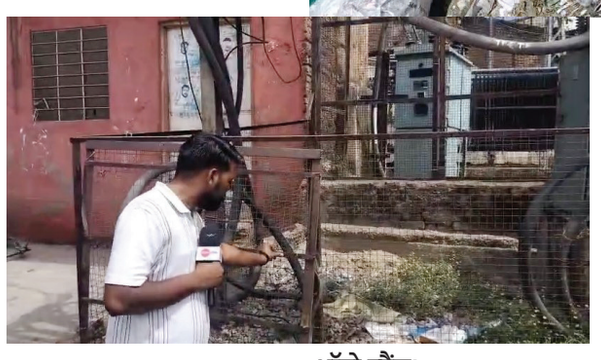

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। गुलाबी नगरी की विरासत पर एक बार फिर काले धब्बे नज़र आने लगे हैं। यूनेस्को द्वारा जयपुर को वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट से बाहर करने की चेतावनी दिए जाने के बावजूद, नगर निगम और बिजली विभाग की लापरवाही थमने का नाम नहीं ले रही है। रामगंज जैसे व्यस्ततम इलाके में गंदगी, टूटे बिजली के तारों और बंद पड़े सरकारी दफ्तरों ने आम जनता का जीना मुहाल कर दिया है।

पुलिस थाने के पास कचरे का 'महासंग्राम'

रामगंज पुलिस थाने और मुख्य चौराहे के पास स्थित नगर निगम कार्यालय के ठीक सामने कचरे के ऊंचे-ऊंचे ढेर लगे हुए हैं। विडंबना यह है कि नगर निगम घर-घर कचरा संग्रहण और स्कैनिंग के बड़े-बड़े दावे करता है, लेकिन मुख्य सड़कों पर बने 'कचरा डिपो' निगम की पोल खोल रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सफाई के नाम पर केवल खानापूर्ति की जाती है; सफाई कर्मचारी ऊपर-ऊपर से झाड़ू लगाकर निकल जाते हैं, जिससे मुख्य सड़कों से जुड़ी गलियों में गंदगी जस की तस बनी रहती है।

बीमारी का घर बना 'रामगंज ऑटो स्टैंड'

ऑटो स्टैंड पर काम करने वाले चालकों और स्थानीय दुकानदारों ने बताया कि पिछले दो महीनों से यहाँ मशीन से सफाई नहीं हुई है। शिकायत करने पर अधिकारी 'मशीन खाली होने' का बहाना बनाकर टाल देते हैं। यहाँ स्थित नाला पूरी तरह जाम हो चुका है, जिससे बरसात का गंदा पानी सड़क और थाने के गेट तक फैल जाता है। ठहरे हुए पानी और कचरे के कारण मच्छरों का भारी प्रकोप है, जिससे इलाके में गंभीर बीमारियां फैलने का खतरा पैदा हो गया है।

बिजली विभाग की जानलेवा लापरवाही

सफाई के साथ-साथ बिजली विभाग भी हादसों को न्योता दे रहा है। चौराहे पर लगा ट्रांसफार्मर पूरी तरह खुला पड़ा है और उसके तार बाहर लटके हुए हैं। सुरक्षा कवच (बॉक्स) टूटा होने के कारण यहाँ कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय निवासियों में डर है कि यदि कोई बच्चा या जानवर इसमें फंस गया, तो इसकी **जिम्मेदारी कौन लेगा?**

अधिकारियों की मनमानी: "वीडियो डाल दो, हमारा क्या जाता है" स्थानीय लोगों ने नगर निगम के अधिकारियों पर संवेदनहीनता का आरोप लगाया है। एक पीड़ित ने बताया कि जब उन्होंने गंदगी का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डालने की बात कही, तो अधिकारियों ने गैर-जिम्मेदाराना जवाब देते हुए कहा, "वीडियो डाल दो, हमारा क्या जाता है, जब मशीन आएगी तभी सफाई होगी।"

दावों और हकीकत में भारी अंतर

नगर निगम के कार्यालय की स्थिति खुद जर्जर है और वहां ताले लटके रहते हैं। एक ओर निगम के कर्मचारी दावा करते हैं कि उन्होंने हाल ही में जेसीबी लगवाकर सफाई करवाई है, वहीं दूसरी ओर मौके पर मौजूद कीचड़ और सड़न कुछ और ही कहानी बयां कर रहे हैं। यूनेस्को की चेतावनी के बाद भी इस तरह की लापरवाही यह सवाल खड़ा करती है कि क्या प्रशासन वास्तव में जयपुर की विरासत को बचाने के प्रति गंभीर है?

राजस्थान विश्वविद्यालय में भारी हंगामा

आरएसएस के कार्यक्रम का विरोध कर रहे एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को पुलिस ने खदेड़ा, कई गिरफ्तार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान विश्वविद्यालय (आरयू) का परिसर शुक्रवार को एक बार फिर जंग के मैदान में तब्दील हो गया। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा परिसर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यक्रम को अनुमति देने के विरोध में एनएसयूआई (NSUI) के कार्यकर्ताओं ने जमकर प्रदर्शन किया। स्थिति को बिगड़ता देख पुलिस ने कार्रवाई करते हुए प्रदर्शनकारियों को जबरन मौके से हटाया और कई प्रमुख छात्र नेताओं सहित दर्जनों कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया।

कुलपति और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी

प्रदर्शन के दौरान छात्र शक्ति ने राजस्थान सरकार और आरएसएस के खिलाफ तीखी नारेबाजी की। एनएसयूआई नेताओं का आरोप है कि कुलपति अपनी 'कुर्सी बचाने' और सरकार को खुश करने के लिए विश्वविद्यालय के शैक्षिक माहौल को खराब कर रही हैं। कार्यकर्ताओं ने कहा कि जहां विश्वविद्यालय में शिक्षा और प्रोफेसर्स की भर्ती पर बात होनी चाहिए, वहां जबरन एक खास विचारधारा को थोपने का प्रयास किया जा रहा है।

विचारधारा की लड़ाई: "तिरंगे और संविधान का अपमान नहीं सहेंगे"

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे छात्र नेताओं (कार्तिक, अभिषेक मीणा व अन्य) ने मीडिया से बातचीत में कहा कि यह लड़ाई केवल किसी कार्यक्रम के विरोध की नहीं, बल्कि विचारधारा की है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन लोगों ने वर्षों तक तिरंगे और देश के संविधान का विरोध किया, उन्हें शिक्षित युवाओं के बीच कार्यक्रम करने की अनुमति देना दुर्भाग्यपूर्ण है। छात्र नेताओं ने हुंकार भरते हुए कहा, "हम सच्चे देशभक्त हैं और विश्वविद्यालय में देश विरोधी विचार रखने वालों का प्रवेश बर्दाश्त नहीं करेंगे। हमें चाहे कितनी ही बार जेल जाना पड़े, हम पीछे नहीं हटेंगे।"

पुलिसिया कार्रवाई और गिरफ्तारियां

जैसे ही प्रदर्शनकारियों ने कार्यक्रम स्थल की ओर बढ़ने की कोशिश की, वहां तैनात भारी पुलिस बल ने उन्हें रोक लिया। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे महेश चौधरी, राजेंद्र और कई महिला कार्यकर्ताओं सहित तमाम साथियों को जबरन पुलिस वैन में डालकर हिरासत में ले लिया। पुलिस का कहना है कि विश्वविद्यालय में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह निवारक गिरफ्तारियां की गई हैं।

भ्रष्टाचार और बदहाली का मुद्दा भी गरमाया

आरएसएस के विरोध के साथ-साथ एनएसयूआई ने विश्वविद्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार, शिक्षकों की कमी और नॉन-टीचिंग स्टाफ की समस्याओं को लेकर भी कुलपति को घेरा। छात्रों का कहना है कि प्रशासन बुनियादी सुविधाओं पर ध्यान देने के बजाय राजनीतिक एजेंडे को बढ़ावा देने में जुटा है। फिलहाल, विश्वविद्यालय परिसर में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है और पुलिस की अतिरिक्त टुकड़ियां तैनात की गई हैं। एनएसयूआई ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं और गिरफ्तार कार्यकर्ताओं को रिहा नहीं किया गया, तो प्रदेश भर में आंदोलन तेज किया जाएगा।

जयपुर मोती डूंगरी दरगाह में उर्स, अकीदतमंदों की भीड़ उमड़ी

- कव्वाली, मिलाद और लंगर से गूंजा माहौल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के मोती डूंगरी क्षेत्र में स्थित शहर की सबसे पुरानी और ऐतिहासिक दरगाहों में शुमार हज़रत सैयद मोहम्मद दुर्वेश शाह कादरी चिश्ती रहमतुल्लाह अलैह की दरगाह एक बार फिर अकीदत के रंग में रंग गई है। उर्स के मौके पर दरगाह परिसर में खास रौनक देखने को मिल रही है। दूर-दूर से आए अकीदतमंद अपनी दुआओं और मन्नतों के साथ यहां हाज़िरी लगा रहे हैं, जिससे पूरा माहौल रूहानी हो गया है।

मिलाद और कव्वाली से रूहानी माहौल

उर्स का आगाज़ 3 अप्रैल 2026 को हुआ, जहां पहले दिन मिलाद शरीफ का आयोजन किया गया। इसके बाद महफिल-ए-कव्वाली ने समा बांध दिया। सूफियाना कलाम पर झूमते अकीदतमंद और दरगाह पर चढ़ती चादरें इस आयोजन की खास पहचान बनी हुई हैं। रात के समय दरगाह की रौशनी और इबादत का माहौल लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है।

फातिहा और लंगर का आयोजन

उर्स के दूसरे दिन फातिहा, कुरआन ख्वानी और लंगर का आयोजन किया जाता है। बड़ी संख्या में लोग इसमें शामिल होकर दुआ करते हैं और बरकत हासिल करते हैं। लंगर में सभी धर्मों के लोग एक साथ बैठकर खाना खाते हैं, जो आपसी भाईचारे और इंसानियत की मिसाल पेश करता है।

कमेटी ने किए विशेष इंतजाम

उर्स के दौरान बढ़ती भीड़ को देखते हुए दरगाह इंतजामिया कमेटी द्वारा विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। जायरीन की सुविधा के लिए पानी, लंगर, सफाई और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, ताकि किसी को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

उर्स बना भाईचारे का प्रतीक

यह उर्स केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि सामाजिक एकता और भाईचारे का प्रतीक भी बन चुका है। यहां आने वाला हर व्यक्ति सुकून और सकारात्मक ऊर्जा लेकर लौटता है। जयपुर की यह ऐतिहासिक दरगाह हर साल लोगों को जोड़ने और मोहब्बत का पैगाम देने का काम करती है।

आदर्श नगर के मदरसा तालीमुल कुरआन में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

- ड्रेस की कमी से बढ़ी शिक्षकों की चिंता

-आदर्श नगर मदरसा बना शिक्षा की मिसाल

-सीमित संसाधनों में बेहतर शिक्षा व्यवस्था

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । आदर्श नगर स्थित मक्का मस्जिद परिसर में चल रहा मदरसा तालीमुल कुरआन एक सकारात्मक उदाहरण बनकर सामने आया है। यहां कक्षा 1 से 5 तक करीब 22 से 25 बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। कम संसाधनों के बावजूद बच्चों की पढ़ाई का स्तर काफी अच्छा देखने को मिला।

सही जवाब देकर बच्चों ने किया प्रभावित

मौके पर जब बच्चों से सवाल-जवाब किए गए तो उनकी तैयारी साफ नजर आई। चौथी कक्षा की छात्रा फातमा ने पहाड़े सुनाए, जबकि पांचवीं कक्षा की छात्रा उमेरा से जब पहाड़े पूछे गए, तो उसने दस तक के पहाड़े सुनाए। इसके बाद जब उससे किताब खोलकर पाठ का नाम भी सही पढ़कर बताया। वहीं, फातमा जैनब नाम की छात्रा, जो तीसरी कक्षा में पढ़ती है, उसे 11 तक के पहाड़े याद हैं और उसने भी पूरे आत्मविश्वास के साथ पहाड़े सुनाकर अपनी पढ़ाई का स्तर साबित किया।

शिक्षकों की मेहनत से निखर रहे बच्चे

पांचवीं कक्षा के छात्र मेरा ने बताया कि यहां शिक्षक अच्छे तरीके से पढ़ाते हैं और हर बच्चे पर ध्यान देते हैं। यही कारण है कि जो बच्चे अन्य जगहों पर कमजोर माने जाते हैं, वे यहां बेहतर प्रदर्शन करते नजर आए।

साफ-सफाई और अनुशासन का अच्छा माहौल

मदरसे में साफ-सफाई की व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। शिक्षक नियमित रूप से उपस्थित रहते हैं और बच्चों की पढ़ाई पर पूरा ध्यान दिया जाता है। नया सत्र शुरू होने के साथ एडमिशन प्रक्रिया भी जारी है।

मदरसा बोर्ड की लापरवाही आई सामने

जहां एक ओर मदरसा बेहतर शिक्षा देने की कोशिश कर रहा है, वहीं मदरसा बोर्ड की लापरवाही भी सामने आई है। बच्चों को पिछले दो साल से ड्रेस नहीं मिली है, जिससे परेशानी हो रही है। शिक्षकों का कहना है कि अगर समय पर बच्चों को ड्रेस उपलब्ध कराई जाए, तो एडमिशन में काफी बढ़ोतरी हो सकती है और पढ़ाई का स्तर भी और बेहतर हो सकता है।

ड्रेस और बैग जैसी जरूरतें अधूरी

बच्चों को स्कूल बैग जैसी जरूरी सुविधाएं भी नहीं मिल पाई हैं। शिक्षा के लिए जरूरी इन संसाधनों की कमी साफ दिखाई दे रही है, जिस पर संबंधित विभाग को ध्यान देने की जरूरत है।

सरकारी सहयोग से और बेहतर बन सकता मॉडल

कुल मिलाकर यह मदरसा सीमित संसाधनों में बेहतर शिक्षा दे रहा है। अगर सरकारी स्तर पर समय पर सुविधाएं मिलें तो यह मॉडल और भी मजबूत बन सकता है।

रॉयल पत्रिका अख़बार की मेम्बरशिप लेने का सुनहरा अवसर

जयपुर से प्रकाशित होने वाला रॉयल पत्रिका साप्ताहिक अखबार माइनॉरिटी की आवाज़ उठाने वाला राजस्थान का एकमात्र लोकप्रिय अखबार है। इसमें समस्त माइनॉरिटी के समाचार नियमित रूप से प्रकाशित किये जाते हैं। इसके अलावा मुस्लिम शख़्सियतों पर भी लेख प्रकाशित किये जाते हैं। यह अख़बार पिछले 20 साल से लगातार जयपुर से हर सोमवार को छप रहा है। यह अखबार पूरे राजस्थान के जिले, गांव, तहसील वगैरह में नियमित प्रसारित होता है। मुस्लिम समाज में इसकी बहुत ज़्यादा मांग रहती है व अखबार का बेसब्री से इंतज़ार किया जाता है।

आप भी रॉयल पत्रिका साप्ताहिक अख़बार के मेम्बर बन सकते हैं। इसके लिए आपको दिये गए स्केनर पर **रु. 500/-** (एक साल की फीस) का भुगतान करके उसका स्क्रीन शॉट मोबाइल नं. **97995 59096** पर व्हाट्सएप करना होगा, साथ में आप अपना नाम, पता तथा अपना मोबाइल नं. भेज देवें। आपके घर पर एक साल तक रॉयल पत्रिका अख़बार व्यक्तिगत रूप से हर सप्ताह पहुंचाया जावेगा।

भाजपा से मोहभंग, खाचरियावास के नेतृत्व में दो दर्जन से ज़्यादा कार्यकर्ताओं ने थामा कांग्रेस का दामन

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । दो दर्जन से अधिक भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रताप सिंह खाचरियावास के निवास स्थान पर पहुंचकर कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान सभी का स्वागत करते हुए खाचरियावास ने उन्हें पार्टी की विचारधारा से अवगत कराया। कांग्रेस में शामिल हुए कार्यकर्ताओं ने कहा कि पिछले ढाई साल में भाजपा के दोहरे चरित्र को देखकर उनकी आंखें खुल गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा में कार्यकर्ताओं और आम जनता के प्रति कोई सम्मान नहीं है तथा छोटे-छोटे काम भी सरकार के राज में नहीं हो पा रहे हैं। खाचरियावास ने कहा कि भाजपा सरकार जबरन राजस्थान की जनता के घरों में स्मार्ट मीटर लगा रही है, जो सीधे-सीधे आम लोगों की जेब पर डाका है। उन्होंने कहा कि खुद केंद्र सरकार के ऊर्जा मंत्री संसद में यह स्पष्ट कर चुके हैं कि स्मार्ट मीटर जबरन नहीं लगाए जा सकते, इसके बावजूद राजस्थान में पुलिस और प्रशासन के दबाव में लोगों के घरों में मीटर लगाए जा रहे हैं। यह आम जनता के साथ धोखा है और गरीबों पर सीधा अत्याचार है। खाचरियावास ने जनता से अपील करते हुए कहा कि वे जबरन स्मार्ट मीटर लगाने का विरोध करें और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाएं। साथ ही उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि भाजपा को सत्ता से बाहर किया जाए और प्रदेश में जनहितकारी सरकार लाई जाए। इस अवसर पर खाचरियावास ने कहा कि अब समय आ गया है उन्होंने लोगों से अपील की कि वे भाजपा छोड़कर कांग्रेस से जुड़ें, ताकि प्रदेश को मजबूत और जनहितकारी दिशा दी जा सके। इस अवसर पर झोटवाड़ा मंडल अध्यक्ष सतीश झिंगनिया द्वारा अमर सिंह शेखावत, राहुल सिंह शेखावत, नवीन सिंह शेखावत, महिपाल सिंह चारण, सागर राज कुमावात, दिनेश कुमावत, अशोक सिंह रावत, दीपक पांडे, अंकित जोशी, फरदीन खान, प्रताप सिंह शेखावत, विकास शर्मा, ओम प्रकाश बागड़ा, रोहित कुमावत, हर्षित शर्मा सहित दो दर्जन से अधिक कार्यकर्ताओं ने विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे और सभी ने एकजुट होकर संगठन को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया और बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे और सभी ने एकजुट होकर संगठन को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

पुलिस आयुक्तालय जयपुर ने एलपीजी की कालाबाजारी के संबंध में की कार्यवाही

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल के निर्देशानुसार विशेष पुलिस आयुक्त ऑपरेशंस ओम प्रकाश के सुपरविजन में पुलिस आयुक्तालय, जयपुर में एलपीजी गैस की बुकिंग एवं सिलेण्डरों की आपूर्ति में देरी संबंधी प्राप्त सभी शिकायतों को विशेष अभियान के दौरान समस्त थानाधिकारीगण को प्रेषित कर त्वरित निस्तारण करवाया जाकर जिला पूर्व में 06 प्रकरण दर्ज कर 04 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर 207 सिलेण्डर, जिला पश्चिम में 07 प्रकरण दर्ज कर 09 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर 203 सिलेण्डर, जिला उत्तर में 03 प्रकरण दर्ज कर 01 व्यक्ति को गिरफ्तार 31 सिलेण्डर एवं जिला दक्षिण में 03 प्रकरणों में 01 मुल्जिम को गिरफ्तार 20 सिलेण्डर, इस प्रकार अब तक कुल 19 प्रकरण दर्ज कर 15 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया जाकर कुल 461 सिलेण्डर जब्त किये गये हैं। आयुक्तालय जयपुर में स्थित करीब 98 गैस एजेंसियों में सभी को थानाधिकारी, सीएसटी एवं डीएसटी द्वारा निरन्तर चैक करवाया जाकर उच्चाधिकारियों द्वारा संबंधित से निरन्तर फीडबैक लिया जा रहा है। अनियमितता पाये जाने पर तुरन्त कार्यवाही की जा रही है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

ट्रंप की नीतियों के कारण अमेरिका विश्व में अकेला पड़ा

अमेरिका इजराईल और ईरान युद्ध इस समय अपनी चरम सीमा पर चल रहा है। अमेरिका इजराईल इस युद्ध को एक सप्ताह में जीत लेना चाहते थे । अमेरिका इजराईल को पूरा विश्वास था कि ईरान की जितनी सैन्य शक्ति है उसे आसानी से पार पाली जाएगी और ईरान में सत्ता परिवर्तन कर दिया जाएगा । अमेरिका इजराईल ने करीब 37 दिन तक लगातार ईरान पर बमबारी की है । अमेरिका इजराईल की बमबारी में ईरान के हवाई अड्डे, अस्पताल, स्कूल, कॉलेज, सड़क पुल, रिफाइनरी, गैस प्लांट, स्टील कारखाने सहित अन्य ढांचे नष्ट हो गए । अमेरिका इजराईल ने ईरान के सुप्रीम लीडर अली खमेनई सहित सैंकड़ों नेताओं और सैनिक कमांडरों को भी मौत के घाट उतार दिया । लेकिन ईरान ने भारी नुकसान होने के बावजूद अमेरिका इजराईल के सामने घुटने टेकने से मना कर दिया और कहा कि या तो हम यह युद्ध जीतेंगे या फिर शहादत पाएंगे । अमेरिकी राष्ट्रपति हर रोज ईरान को युद्ध विराम समझौते के लिए धमकी देते हैं। लेकिन ईरान अमेरिका की धमकियों की कोई परवाह नहीं कर रहा है । ईरान अमेरिका इजराईल से बिल्कुल नहीं डरा और पलटवार करते हुए खाड़ी देशों में स्थित अमेरिका के सैन्य एवं व्यवसायिक ठिकानों को नष्ट कर दिया । ईरान ने इज़राईल पर मिसाइलों और ड्रोन से भारी बमबारी की और इज़राईल बनने से लेकर आज तक भारी नुकसान पहुंचाया है । इजराईल की हालत ऐसी बनती जा रही है जैसे इज़राईल ने फिलिस्तीन की बनाई थी । इजराईल का डिफेंस सिस्टम भी ईरानी आक्रमण को नहीं रोक पा रहा है। इजराईल की ऐसी स्थिति के बारे में विश्व में किसी ने भी नहीं सोचा होगा, क्योंकि इज़राईल ने विश्व में प्रचारित कर रखा था कि विश्व में ऐसा कोई भी हथियार नहीं है जो उसके डिफेंस सिस्टम को भेद सके । लेकिन ईरान की मिसाइलों और ड्रोन ने इजराईली डिफेंस सिस्टम को तो फैल किया ही साथ में पूरे इजराईल में आग लगाकर तबाही मचा दी । अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान को कंट्रोल करने और हर जलडमरू को खोलने के लिए यूरोप और नाटो देशों से सैन्य मदद मांगी। लेकिन ट्रंप की मनमानी नीतियों और धमकियों से आहत नाटो देशों ने अमेरिका का साथ नहीं दिया। नाटो देशों का कहना है कि यह युद्ध नाटो देशों का नहीं है, यह युद्ध इज़राईल और ट्रंप का है। नाटो देश इजराईल के साथ नहीं है। स्थिति यह बनती जा रही है कि अमेरिका के नजदीक माने जाने वाले देश भी अब एक-एक करके उसका साथ छोड़ते जा रहे हैं। खाड़ी के मुस्लिम देश भी ट्रंप की नीतियों और ईरान से युद्ध में नाकामी के चलते ट्रंप का साथ छोड़कर जा रहे हैं। ट्रंप की नीतियों के कारण दूसरे देशों ने अमेरिका का साथ ही नहीं छोड़ा बल्कि अमेरिका जनता भी ट्रंप का सड़कों पर उतरकर विरोध कर रही है। अमेरिका जनता ट्रंप की नीतियों और इजराईल के कहने पर ईरान पर आक्रमण करने का तीव्र विरोध कर रही है, दूसरी तरफ ईरान कुशल युद्ध नीति के चलते अमेरिका इजराईल को लंबे युद्ध में फंसाता जा रहा है । ईरान इस युद्ध में धैर्य, साहस और कुशल नीति का परिचय दे रहा है। यही कारण है कि विश्व के देश और लोग ईरान की नीतियों को पसंद कर रहे हैं और अमेरिका की नीतियों से असहमत दिखाई दे रहे हैं।

हज़रत राबिया बसरी र. अ. थीं इस्लाम की पहली महिला संत

8वीं सदी की एक महान सूफी संत हज़रत राबिया बसरी र. अ. थीं, जो इस्लाम की पहली और सबसे प्रभावशाली महिला संत और "इश्क-ए-इलाही" (ईश्वरीय प्रेम) के शुद्ध सिद्धांत की स्थापना के लिए विश्वव्यापी रूप से प्रसिद्ध हैं। उन्होंने इबादत का वह मार्ग दिखाया जो स्वर्ग की लालसा या नर्क के भय से परे है, केवल ईश्वर के प्रति नि:स्वार्थ प्रेम के लिए है।

हज़रत राबिया बसरी का पूरा नाम राबिया अल-अदविया अल-क़ैसिया है। वह अपने माता-पिता की चौथी संतान थीं और अरबी में "राबिया" का अर्थ है चौथी । इस प्रकार उनका नाम राबिया रखा गया । इनका जन्म 714-718 ई. (95-98 हिजरी) के बीच, इराक के बसरा शहर में हुआ था, और निधन 801 ई. (185 हिजरी) में बसरा में ही हुआ। यह एक ग़रीब परिवार से थीं, सभी स्रोत इस बात पर सहमत हैं कि उनका परिवार बेहद गरीब था । यहाँ तक कि उनके जन्म के समय घर में दीपक जलाने के लिए तेल या उन्हें लपेटने के लिए कपड़ा तक नहीं था । पिता की मृत्यु के बाद अकाल के समय परिवार से (बहनों से) बिछड़ गईं थीं और एक दास (ग़ुलाम) के रूप में बेच दी गईं थीं। कहा जाता है कि इनके मालिक ने एक बार उन्हें प्रकाश से घिरे, गहन ध्यान में देखा और उनकी पवित्रता को पहचान कर उन्हें आज़ाद कर दिया। आज़ादी के बाद उन्होंने पूर्णतः त्याग और एकांत का जीवन अपनाया। उन्होंने सांसारिक सुखों और विलासिता को पूरी तरह त्याग दिया था। उन्होंने अपना पूरा जीवन ईश्वर की भक्ति में समर्पित कर दिया था और विवाह नहीं किया। कहा जाता है कि उनके पास एक टूटी चटाई, एक घड़ा और एक ईंट के अलावा कुछ नहीं था। वह किसी से दान या सहायता भी स्वीकार नहीं करती थीं।

उनका मानना था कि ईश्वर की भक्ति स्वर्ग की लालसा या नर्क के भय से नहीं, बल्कि केवल और केवल ईश्वर के प्रति शुद्ध प्रेम के कारण होनी चाहिए। शुद्ध, नि:स्वार्थ दिव्य प्रेम (इश्क-ए-हकीकी): के सिद्धांत की सबसे पहली और महत्वपूर्ण प्रवर्तक इन्हें माना जाता है।

उनकी यह प्रार्थना उनके पूरे दर्शन का सार है कि :

"हे अल्लाह, अगर मैं दोज़ख के डर से तुम्हारी इबादत करती हूँ, तो मुझे दोजख में जला दो; और अगर जन्नत की लालसा से करती हूँ, तो मुझे जन्नत से वंचित कर दो; किंतु यदि मैं केवल तुम्हारे लिए तुम्हारी इबादत करती हूँ, तो अपनी शाश्वत सुंदरता से मुझे वंचित मत करो।"

उन्होंने अपना पूरा जीवन ईश्वर की भक्ति में समर्पित कर दिया था और विवाह के कई प्रस्ताव आने पर भी उन्होंने सभी को यह कहकर अस्वीकार कर दिया कि उनका हृदय केवल ईश्वर के प्रति अनुरक्ति के लिए है। यहाँ तक कहा जाता है कि बसरा के अमीर (गवर्नर) के विवाह प्रस्ताव को भी उन्होंने ठुकरा दिया था।

हज़रत राबिया बसरी ने सादगी, त्याग और नि:स्वार्थ दिव्य प्रेम के माध्यम से एक ऐसी आध्यात्मिक विरासत स्थापित की, जिसने सूफी दर्शन की दिशा ही बदल दी। एक महिला संत के रूप में उनका उदय अपने आप में एक क्रांतिकारी घटना थी। उनका जीवन संदेश सरल है: सच्ची भक्ति किसी लालच या भय से नहीं, बल्कि केवल प्रेम से प्रेरित होती है। एक हज़ार साल बाद भी उनका जीवन और दर्शन दुनिया भर में आध्यात्मिक साधकों, कवियों, लेखकों और कलाकारों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना हुआ

है।

कई स्रोतों से पता चलता है कि जैसे-जैसे उनकी ख्याति फैली, उनके कई शिष्य बन गए। ये शिष्य उनके आध्यात्मिक मार्ग-दर्शन और ज्ञान प्राप्त करने आते थे। उनकी शिक्षाओं का केंद्र "इश्क-ए-हक़ीक़ी" यानि ईश्वर के लिए निःस्वार्थ प्रेम का दर्शन था। वे लोगों को सिखाती थीं कि भक्ति स्वर्ग की लालसा या नर्क के भय से नहीं, बल्कि केवल शुद्ध प्रेम के लिए होनी चाहिए और उनका जीवन ही इसका सबसे बड़ा उदाहरण था। उनकी सादगी, त्याग और निरंतर प्रार्थना उनके शिष्यों के लिए प्रेरणा का स्रोत थी। वह प्रायः उपदेश देने की बजाय अपने जीवन और चमत्कारिक घटनाओं के माध्यम से शिक्षा देती थीं। हालाँकि, ऐतिहासिक रिकॉर्ड में उनके विशिष्ट शिष्यों के नाम स्पष्ट रूप से दर्ज नहीं हैं। कुछ स्रोतों में उल्लेख है कि उनकी सेवा करने वाली एक सेविका भी थी। सेविका के साथ उनकी बातचीत से उनकी दिव्य प्रतिज्ञा में अटूट विश्वास का पता चलता है।

सूफी परंपरा में हसन बसरी को अक्सर उनका मुर्शिद (गुरु) बताया जाता है। हालाँकि, ऐतिहासिक तथ्य यह है कि दोनों का एक-दूसरे से मिलना संदिग्ध है, क्योंकि हसन अल बसरी का निधन राबिया बसरी के बचपन में ही हो गया था। हसन अल बसरी का निधन 728 ई. में हुआ, जबकि राबिया बसरी का जन्म 714-718 ई. के आस-पास हुआ था, इसलिए वे वास्तविक जीवन में समकालीन नहीं थे।। सूफ़ी परंपरा में फ़रीदुद्दीन अत्तार जैसे बाद के लेखकों ने दोनों के बीच प्रतीकात्मक और शिक्षाप्रद संवाद गढ़े हैं। उनसे जुड़ी एक प्रसिद्ध कथा है कि वह एक हाथ में मशाल और दूसरे हाथ में पानी की बाल्टी लिए दौड़ रही थीं। पूछने पर उन्होंने कहा कि वह "नर्क की आग बुझाने और स्वर्ग के द्वार जलाने" जा रही हैं, ताकि लोग केवल ईश्वर के प्रेम के लिए ही उसकी उपासना करें। एक बार मलिक बिन दीनार नामक एक व्यक्ति ने उनकी गरीबी देखकर सहायता का प्रस्ताव रखा। राबिया बसरी ने जवाब दिया: "क्या मेरा रोज़ी देने वाला, आपका रोज़ी देने वाला और अमीरों का रोज़ी देने वाला एक ही नहीं है ?" उन्होंने कहा कि यदि ईश्वर ने मेरे लिए यही हालात चुने हैं तो वह इससे संतुष्ट हैं। यह प्रसंग उनकी दृढ़ आस्था को दर्शाता है जो दूसरों के लिए शिक्षा का विषय बना।

चोर और चादर की कथा:

एक बार एक चोर उनकी चादर चुराने आया, लेकिन जब भी वह चादर लेकर जाने लगता, उसे बाहर जाने का रास्ता दिखना बंद हो जाता। अंत में एक आवाज़ ने कहा कि इस स्त्री ने स्वयं को पूरी तरह ईश्वर को समर्पित कर दिया है, इसलिए उसकी वस्तु भी सुरक्षित है। यह कथा उनके पूर्ण ईश्वर-समर्पण की ओर इशारा करती है।

राबिया बसरी ने स्वयं कोई लिखित कार्य नहीं छोड़ा। उनके विचार और काव्य उनके शिष्यों और परंपरा के माध्यम से आगे बढ़े। उनके नाम से प्रसिद्ध कुछ कविताओं के अंश और उनके भावार्थ :

1. कविता: मेरा प्रियतम (My Beloved)

"मेरी शांति, हे मेरे भाइयों और बहनों, मेरा एकांत है, और मेरा प्रियतम सदैव मेरे साथ है... वह मेरा 'मिहराब' (प्रार्थना स्थल) है, उसी की ओर मेरी 'किब्ला' (प्रार्थना दिशा) है।"

भावार्थ: यहाँ ईश्वरीय प्रेम को सांसारिक सभी रिश्तों से ऊपर रखा गया है। राबिया ने पारंपरिक धार्मिक प्रतीकों (मिहराब, किब्ला) को पुनर्परिभाषित करते हुए दिखाया कि उनके लिए ईश्वर ही एकमात्र केंद्र और दिशा हैं।

2. कविता: मेरी सबसे बड़ी आवश्यकता तुम हो (My Greatest Need is You)

"हे अल्लाह, इस दुनिया में तुझे याद किए बिना मैं नहीं रह सकती... मैं तेरे देश में एक परदेशी हूँ और तेरे उपासकों के बीच अकेली।"

यह कविता भक्त की गहन आध्यात्मिक प्यास और ईश्वर से मिलन की तड़प को दर्शाती है। यहाँ "परदेशी" होने का भाव दुनिया की नश्वरता और ईश्वर के साथ ही सच्चे घर की तलाश को व्यक्त करता है।

3. कविता: वास्तविकता (Reality)

"प्रेम में, हृदय और हृदय के बीच कुछ भी अस्तित्व नहीं रखता... जो चखता है, वह जानता है; जो समझाता है, वह झूठ बोलता है।"

यह कविता प्रेम के अनुभव की अवर्णनीयता पर केंद्रित है। राबिया कहती हैं कि दिव्य प्रेम का सच्चा स्वाद केवल सीधे अनुभव से ही जाना जा सकता है, शब्दों या दूसरों के बताने से नहीं।

वह एक मजबूत इरादों वाली महिला थीं, जिन्होंने अपने समकालीन अन्य सूफी संतों की भी आलोचना की और उनके चिंतन को आगे बढ़ाने में मदद की। उन्होंने महिलाओं और पुरुषों दोनों को समान रूप से शिक्षा दी, जो उस समय के लिए असाधारण था। उन्होंने भविष्य की अनेक महिला सूफी संतों के लिए मार्ग प्रशस्त किया।

लगभग सभी विद्वान द्वारा इस बात पर सहमत हैं कि हज़रत राबिया बसरी ने स्वयं कोई पुस्तक नहीं लिखी और ना छोड़ी है। उनके नाम से प्रचलित अधिकांश कविताएँ और कथन सैंकड़ों वर्षों की मौखिक और लिखित सूफी परंपरा के माध्यम से हम तक पहुँचीं हैं। इसलिए, ये रचनाएँ शायद उनके मूल शब्द न हों, लेकिन इनमें निहित दर्शन और भावना निस्संदेह उन्हीं की शिक्षाओं का प्रतिबिंब हैं। हज़रत राबिया बसरी ने न केवल सूफी दर्शन में शुद्ध प्रेम की नींव रखी, बल्कि अपने जीवन और (परंपरा के माध्यम से प्राप्त) काव्य के जरिए यह सिद्ध किया कि आध्यात्मिक मार्ग पर लिंग या सामाजिक हैसियत कोई बाधा नहीं है। उनकी विरासत आज भी जीवित है।

-फ़ज़लुर्रहमान
सहायक सचिव
(सेवा निवृत्त)

देश के लिए बलिदान देने वाले प्रोफेसर अब्दुल बारी

-जंगे आज़ादी के कद्दावर और महान मजदूर नेता

प्रोफेसर अब्दुल बारी 1892 को बिहार के भोजपुर जिले के शाहाबाद गांव में पैदा हुए हैं। उनके वालिद का नाम मोहम्मद कुर्बान अली था। उन्होंने अपनी शिक्षा पटना यूनिवर्सिटी से प्राप्त की। 1917 में महात्मा गांधी के संपर्क में आए तथा उनके विचारों से प्रभावित हुए। 1920-1922 में हुए खिलाफत और असहयोग आंदोलन के समय राजेंद्र प्रसाद, श्री कृष्ण सिंह, अनुग्रह नारायण सिंह के साथ कंधे से कंधा मिलाकर बिहार में इंकलाब ला दिया। 1921 में बिहार विद्यापीठ का उद्घाटन महात्मा गांधी ने किया जिसमें वह प्रोफेसर की हैसियत से शामिल हुए तथा अध्यापन करवाने लगे। 1930 में अब्दुल बारी ने भागलपुर में सत्याग्रह छेड़ा। 1942 में आजादी का आंदोलन बिहार उड़ीसा बंगाल के मजदूरों के आंदोलन को और अधिक प्रभावी बनाया नेताजी सुभाष चंद्र बोस जो उस वक्त जमशेदपुर लेबर एसोसिएशन के अध्यक्ष थे के कहने पर जमशेदपुर लेबर एसोसिएशन की कयादत की। इसके बाद बंगाल, उड़ीसा में मजदूर आंदोलन को एक बड़ी पहचान दी और पूरे इलाके में इंकलाब ला दिया। 28 मार्च 1947 को खुसरूपुर (फतुहा) के पास प्रोफेसर अब्दुल बारी को शहीद कर दिया गया। इनकी सामाजिक और सियासी पहुंच का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इनकी नमाज़े जनाज़ा में महात्मा गांधी जैसे कद्दावर नेता शामिल हुए थे।

रोज़ा

क़िस्त सात.....

कुरआन में है- "ऐ ईमानवालो ! तुमने जो माल कमाए हैं और जो रोज़ी तुम्हारे लिए हमने ज़मीन से निकाली है, उसमें से अच्छा माल खुदा की राह में ख़र्च करो, बुरे-से-बुरा छाँटकर मत दो।"(कुरआन, सूरा-2 बक़रा, आयत-267)(1) यह आयत उस मौक़े पर नाज़िल हुई थी जब हज़रत अबू-बक्र (रजि.) के एक रिश्तेदार ने उनकी बेटी हज़रत आइशा (रजि.) पर इलज़ाम लगाने में हिस्सा लिया था और हज़रत अबू-बक्र (रजि.) ने इस नामुनासिब हरकत से नाराज़ होकर उसकी माली मदद बन्द कर दी थी। जब यह आयत नाज़िल हुई तो हज़रत अबू-बक्र (रजि.) काँप उठे और उन्होंने कहा कि मैं अपने खुदा की बख़्शिश चाहता हूँ और उस आदमी की फिर मदद शुरू कर दी जिसने उनको इतनी ज़्यादा रूहानी तकलीफ़ पहुँचाई थी।

तंगदस्ती और ग़रीबी में भी ख़र्च करें यहाँ उन बड़ी हिम्मतवालों की ज़रूरत है जो तंगदस्ती, मुहताजी और ग़रीबी की हालत में भी अपना पेट काटकर खुदा के दीन की ख़िदमत और खुदा के बन्दों की मदद में रुपये खर्च करने में झिझकते नहीं। कुरआन में है- "अपने पालनहार रब की मग़फ़िरत और उस जन्नत की तरफ़ लपको जिसका फैलाव ज़मीन और आसमान के बराबर है और जो तैयार करके रखी गई है उन परहेज़गार लोगों के लिए जो खुशहाली और तंगहाली, दोनों हालतों में खुदा के लिए ख़र्च करते हैं।" (कुरआन, सूरा-3 आले-इमरान, आयतें-133, 134) (6) फ़ैयाज़ और सख़ी हों यहाँ उन ईमानदारों की ज़रूरत है जो सच्चे दिल से इस बात पर यक़ीन रखते हैं कि जो कुछ खुदा की राह में ख़र्च किया जाएगा वह बेकार न होगा, बल्कि खुदा दुनिया और आख़िरत में इसका सबसे अच्छा बदला देगा। इसलिए वह सिर्फ़ खुदा की खुशी हासिल करने के लिए ख़र्च करते हैं। इस बात की कोई परवा नहीं करते कि लोगों को उनकी फ़ैयाज़ी और सखावत का हाल मालूम हुआ या नहीं और किसी ने उनकी बख़शिश का शुक्रिया अदा किया या नहीं। अल्लाह कहता है- "तुम जो कुछ भी हक़ की राह में ख़र्च करोगे वह तुम्हारे ही लिए भलाई है, जबकि तुम अपने इस ख़र्च में खुदा के सिवा किसी और की खुशनूदी नहीं चाहते, इस तरह जो कुछ भी तुम अच्छे काम में ख़र्च करोगे, उसका पूरा-पूरा फ़ायदा तुमको मिलेगा और तुम्हारे साथ ज़र्रा बराबर जुल्म न होगा।" (कुरआन, सूरा-2 बक़रा, आयत-272) (7) हर हाल में खुदा को याद रखें यहाँ उन बहादुरों की ज़रूरत है जो दौलतमन्दी और खुशहाली में भी खुदा को नहीं भूलते, जिनको महलों में बैठकर और नाज़ो-नेमत में रहकर भी खुदा याद रहता है। अल्लाह ने फ़रमाया-" ऐ ईमानवालो ! माल और औलाद की मुहब्बत तुमको खुदा की याद से ग़ाफ़िल न कर दे। जो ऐसा करेगा खुद वह घाटे में रहनेवाला है।" (कुरआन, सूरा-63 मुनाफ़िक़ून, आयत-9) ये अल्लाह की पार्टी में शामिल होनेवालों की ज़रूरी खूबियाँ हैं। इनके बिना कोई भी आदमी खुदा के दोस्तों में शामिल नहीं हो सकता। अस्ल में यह इनसान के अख़लाक़ ही नहीं, बल्कि उसके ईमान का भी बहुत कड़ा और सख़्त इम्तिहान है। जो आदमी खुदा की राह में ख़र्च करने से जी चुराता है, उस ख़र्च को अपने ऊपर जुर्माना समझता है, हीलों और बहानों से बचाव की सूरतें निकालता है और अगर ख़र्च करता है तो अपनी तकलीफ़ का बुख़ार लोगों पर एहसान रखकर निकालने की कोशिश करता है, या यह चाहता है कि उसकी सखावत का दुनिया में इश्तिहार दिया जाए, वह अस्ल में खुदा और आख़िरत पर ईमान ही नहीं रखता। वह समझता है कि खुदा की राह में जो कुछ गया वह बेकार गया। उसको अपना सुख, अपना आराम, अपनी लज़्ज़तें, अपने फ़ायदे और अपनी नामवरी, खुदा से और उसकी खुशी से ज़्यादा प्यारी होती है।

वह समझता है कि जो कुछ है यही दुनिया की ज़िन्दगी है। अगर रुपये ख़र्च किए जाएँ तो इसी दुनिया में नाम और शोहरत होनी चाहिए, ताकि इन रुपयों की क़ीमत यहीं वुसूल हो जाए, वरना रुपये भी गए और किसी को यह मालूम भी न हुआ कि फुलाँ साहब ने फुलाँ अच्छे काम में इतना माल ख़र्च किया है, तो मानो सब मिट्टी में मिल गया। कुरआन मजीद में साफ़ फ़रमा दिया गया है कि इस क़िस्म का आदमी खुदा के काम का नहीं। वह अगर इसके बाद भी ईमान का दावा करता है तो मुनाफ़िक़ है। चुनाचे नीचे की आयतों पर गौर करें- (8) एहसान न जताएँ "ऐ ईमानवालो ! अपनी खैरात को एहसान रखकर और तकलीफ़ पहुँचाकर बेकार न कर दो उस आदमी की तरह जो सिर्फ़ लोगों को दिखाने और नाम चाहने के लिए ख़र्च करता है और अल्लाह और आख़िरत पर ईमान नहीं रखता है।" (कुरआन, सूरा-2 बक़रा, आयत-264) (9) माल जमा न करें "जो लोग सोना और चाँदी जमा करके रखते हैं और उसे खुदा की राह में ख़र्च नहीं करते, उन्हें सख़्त सज़ा की ख़बर दे दो।" (कुरआन, सूरा-9 तौबा, आयत-34) (10) अल्लाह की राह में रुख़सत तलब न करें "ऐ नबी! जो लोग अल्लाह और आख़िरत के दिन पर ईमान रखते हैं वे तो कभी न चाहेंगे कि उन्हें अपने जान व माल के साथ जिहाद में हिस्सा लेने से माफ़ रखा जाए। अल्लाह अपने परहेज़गार बन्दों को खूब जानता है। ऐसी इजाज़त (जिहाद से छूट) तो सिर्फ़ वही लोग चाहते हैं जो अल्लाह और आख़िरत पर ईमान नहीं रखते, उनके दिलों में शक है और वे अपने शक ही में परेशान हो रहे हैं।" (कुरआन, सूरा-9 तौबा, आयतें-44, 45) (11) राहे-खुदा में खुशदिली से इताअत करें "खुदा की राह में उनके ख़र्च किए हुए माल सिर्फ़ इसलिए क़बूल नहीं किए जा सकते कि वे अस्ल में अल्लाह और रसूल पर ईमान नहीं रखते, नमाज़ को आते हैं तो दिल मसोसे हुए और माल ख़र्च करते हैं तो नाक-भौं चढ़ाकर ।" (कुरआन, सूरा-9 तौबा, आयत-54) "मुनाफ़िक मर्द और मुनाफ़िक़ औरतें सब एक थैली के चट्टे-बट्टे हैं, वे बुराई का हुक्म देते हैं और नेकी से मना करते हैं और खुदा की राह में माल खर्च करने से हाथ रोकते हैं। वे खुदा को भूल गए और खुदा ने उनको भुला दिया, यक़ीनन यह मुनाफ़िक़ ही फ़ासिक़ हैं। (कुरआन, सूरा-9 तौबा, आयत-67) 12) राहे-खुदा में ख़र्च को जुर्माना न समझें "इन आराब यानी मुनाफ़िक़ों में से कुछ वे लोग भी हैं जो खुदा की राह में ख़र्च करते भी हैं तो ज़बरदस्ती का जुर्माना समझकर ।"(कुरआन, सूरा-9 तौबा, आयत-98) (13) कंजूस न हों"सुन रखो, तुम लोग ऐसे हो कि जब तुमसे खुदा की राह में खर्च करने के लिए कहा जाता है तो तुममें से बहुत-से लोग कंजूसी करते हैं, और जो इस काम में कंजूसी करता है वह खुद अपने ही लिए कंजूसी करता। अल्लाह तो ग़नी है, तुम ही उसके मुहताज हो। अगर तुमने खुदा के काम में ख़र्च करने से मुँह मोड़ा तो वह तुम्हारी जगह दूसरी क़ौम को ले आएगा और वे तुम जैसे न होंगे।" (कुरआन, सूरा-47 मुहम्मद, आयत-38) मुसलमान भाइयो ! यह है उस ज़कात की हक़ीक़त जो आपके दीन का एक रुक्न (स्तम्भ) है। इसको दुनिया की हुकूमतों के टैक्सों की तरह सिर्फ़ एक टैक्स न समझिए; बल्कि अस्ल में यह इस्लाम की रूह और जान है। यह हक़ीक़त में ईमान का इम्तिहान है। जिस तरह इम्तिहानों में बैठकर एक दर्जे से दूसरे दर्जे में आदमी तरक़्क़ी करता है, यहाँ तक कि आख़िरी इम्तिहान देकर ग्रेजुएट बनता है, उसी तरह खुदा के यहाँ भी कई इम्तिहान हैं जिनसे आदमी को गुज़रना पड़ता है, और जब वह चौथे इम्तिहान यानी माल की कुरबानी का इम्तिहान कामयाबी के साथ दे देता है, तब वह पूरा मुसलमान बनता है, हालाँकि यह आख़िरी इम्तिहान नहीं है। इसके बाद सबसे ज़्यादा सख़्त इम्तिहान जान की कुरबानी का है। लेकिन इस्लाम के दायरे में या दूसरे लफ़्ज़ों में अल्लाह की पार्टी में आने के लिए दाख़िले के जो इम्तिहान मुक़र्रर किए गए हैं, उनमें से यह आख़िरी इम्तिहान है। आजकल कुछ लोग कहते हैं कि ख़र्च करने और रुपये बहाने की नसीहतें तो मुसलमानों को बहुत सुनाई जा चुकीं, अब इस ग़रीबी और मुफ़लिसी की हालत में तो उन्हें कमाने और जमा करने की नसीहतें देनी चाहिएँ, मगर उन्हें मालूम नहीं कि यह चीज़ जिसपर वे नाक-भौं चढ़ाते हैं, अस्ल में यही इस्लाम की रूह है और मुसलमानों को जिस चीज़ ने पस्ती और ज़िल्लत के गढ़े में गिराया है, वह अस्ल में इसी रूह की कमी है। मुसलमान इसलिए नहीं गिरे कि इस रूह ने उनको गिरा दिया, बल्कि इसलिए गिरे हैं कि यह रूह उनसे निकल गई है।अगले खुतबों में आपको बताऊँगा कि ज़कात और सदने हक़ीक़त में हमारी समाजी और इजतिमाई ज़िन्दगी की जान हैं और उनमें हमारे लिए आख़िरत ही की नहीं, बल्कि दुनिया की भी सारी नेमतें जमा कर दी गई हैं।

-समाप्त

बेगम हज़रत महल

(1820 - 7 अप्रैल 1879)

बेगम हज़रत महल (1820 - 7 अप्रैल 1879), जो अवध की बेगम के नाम से भी प्रसिद्ध थीं, अवध के नवाब वाजिद अली शाह की दूसरी पत्नी थीं। अंग्रेज़ों द्वारा कलकत्ते में अपने शौहर के निर्वासन के बाद उन्होंने लखनऊ पर क़ब्ज़ा कर लिया और अपनी अवध रियासत की हुकूमत को बरक़रार रखा। अंग्रेज़ों के क़ब्ज़े से अपनी रियासत बचाने के लिए उन्होंने अपने बेटे नवाबज़ादे बिरजिस क़द्र को अवध के वली नियुक्त करने की कोशिश की थी; मगर उनका शासन जल्द ही ख़त्म होने की वजह से उनकी यह कोशिश असफल रह गई। उन्होंने 1857 के भारतीय विद्रोह के दौरान ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के ख़िलाफ़ विद्रोह किया। अंततः उन्होंने नेपाल में शरण मिली जहाँ उनकी मृत्यु 7 अप्रैल 1879 में हुई थी। बेगम हज़रत महल का नाम मुहम्मदी ख़ानुम था, और उनका जन्म फ़ैज़ाबाद, अवध में हुआ था। वह पेशे से एक तवायफ़ थी और अपने माता-पिता द्वारा बेचे जाने के बाद ख़्वासीन के रूप में शाही हरम में ले लिया गया था। तब उन्हें शाही आधिकारियों के पास बेचा गया था, और बाद में वे 'परि' के तौर पर पदोन्नत हुईं, और उन्हें 'महक परि' के नाम से जाना जाता था। अवध के नवाब की शाही रखैल के तौर पर स्वीकार की जाने पर उन्हें "बेगम" का ख़िताब हासिल हुआ, और उनके बेटे बिरजिस क़द्र के जन्म के बाद उन्हें 'हज़रत महल' का ख़िताब दिया गया था। वे आख़िरी ताजदर-ए-अवध, वाजिद अली शाह की छोटी पत्नी थीं। 1856 में अंग्रेज़ों ने अवध पर क़ब्ज़ा कर लिया था और वाजिद अली शाह को कलकत्ते में निर्वासित कर दिया गया था। कलकत्ते में उनके पति निर्वासित होने के बाद, बेगम हज़रत महल ने अवध रियासत के राजकीय मामलों को संभाला।

आज़ादी के पहले युद्ध के दौरान, 1857 से 1858 तक, राजा जयलाल सिंह की अगुवाई में बेगम हज़रत महल के हामियों ने ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के ख़िलाफ़ बग़ावत की; बाद में, उन्होंने लखनऊ पर फिर से क़ब्ज़ा कर लिया और उन्होंने अपने बेटे बिरजिस क़द्र को अवध के वली (शासक) घोषित कर दिया।

बेगम हज़रत महल की प्रमुख शिकायतों में से एक यह थी कि ईस्ट इंडिया कंपनी ने सड़कें बनाने के लिए मंदिरों और मस्जिदों को आकस्मिक रूप से ध्वस्त किया था। विद्रोह के अंतिम दिनों में जारी की गई एक घोषणा में, उन्होंने अंग्रेज़ सरकार द्वारा धार्मिक आज़ादी की अनुमति देने के दावे का मज़ाक उड़ाया।

जब अंग्रेज़ों के आदेश के तहत सेना ने लखनऊ और ओध के अधिकांश इलाक़े को क़ब्ज़ा कर लिया, तो हज़रत महल को पीछे हटने के लिए मजबूर होना पड़ा। हज़रत महल नाना साहेब के साथ मिलकर काम करते थे, लेकिन बाद में शाहजहांपुर पर हमले के बाद, वह फ़ैज़ाबाद के मौलवी से मिले। लखनऊ में 1857 की क्रांति का नेतृत्व बेगम हज़रत महल ने किया था। अपने नाबालिग पुत्र बिरजिस क़द्र को गद्दी पर बिठाकर उन्होंने अंग्रेज़ी सेना का स्वयं मुक़ाबला किया। उनमें संगठन की अभूतपूर्व क्षमता थी और इसी कारण अवध के ज़मींदार, किसान और सैनिक उनके नेतृत्व में आगे बढ़ते रहे।

आलमबाग़ की लड़ाई के दौरान अपने जांबाज़ सिपाहियों की उन्होंने भरपूर हौसला अफ़्ज़ाई की और हाथी पर सवार होकर अपने सैनिकों के साथ दिन-रात युद्ध करती रहीं। लखनऊ में पराजय के बाद वह अवध के देहातों में चली गईं और वहाँ भी क्रांति की चिंगारी सुलगाई। बेगम हज़रत महल और रानी लक्ष्मीबाई के सैनिक दल में तमाम महिलायें शामिल थीं। लखनऊ में बेगम हज़रत महल की महिला सैनिक दल का नेतृत्व रहीमी के हाथों में था, जिसने फ़ौजी भेष अपनाकर तमाम महिलाओं को तोप और बन्दूक चलाना सिखाया। रहीमी की अगुवाई में इन महिलाओं ने अंग्रेज़ों से जमकर लोहा लिया।

लखनऊ की तवायफ़ हैदरीबाई के यहाँ तमाम अंग्रेज़ अफ़सर आते थे और कई बार क्रांतिकारियों के ख़िलाफ़ योजनाओं पर बात किया करते थे। हैदरीबाई ने पेशे से परे अपनी देश-भक्ति का परिचय देते हुये इन महत्त्वपूर्ण सूचनाओं को क्रांतिकारियों तक पहुँचाया और बाद में वह भी रहीमी के सैनिक दल में शामिल हो गयी।

आख़िरकार, उन्हें नेपाल जाना पड़ा, जहाँ उन्हें पहले राणा के प्रधान मंत्री जंग बहादुर ने शरण से इंकार कर दिया था, लेकिन बाद में उन्हें रहने की इजाज़त दी गयी थी। 1879 में उनकी मृत्यु हो गई और उन्हें काठमांडू के जामा मस्जिद के मैदानों में एक अज्ञात क़ब्र में दफ़नाया गया। उनकी मृत्यु के बाद, रानी विक्टोरिया (1887) की जयंती के अवसर पर, ब्रिटिश सरकार ने बिरजिस क़द्र को माफ़ कर दिया और उन्हें घर लौटने की इजाज़त दे दी।

बेगम हज़रत महल का मक़बरा जामा मस्जिद, घंटाघर के पास काठमांडू के मध्य भाग में स्थित है, प्रसिद्ध दरबार मार्ग से ज़्यादा दूर नहीं है। इसकी देखभाल जामा मस्जिद केंद्रीय समिति ने की है।

बेगम हज़रत महल पार्क, लखनऊ में बेगम हज़रत महल का स्मारक 15 अगस्त 1962 को महल को महान विद्रोह में उनकी भूमिका के लिए लखनऊ के हज़रतगंज के पुराने विक्टोरिया पार्क में सम्मानित किया गया था। पार्क के नामकरण के साथ, एक संगमरमर स्मारक का निर्माण किया गया था, जिसमें अवध शाही परिवार के शस्त्रों के कोट को लेकर चार गोल पीतल के टुकड़े वाले संगमरमर के टैबलेट शामिल थे। पार्क का उपयोग रामशिला, दसहरा के दौरान, साथ ही लखनऊ महोत्सव (लखनऊ प्रदर्शनी) के दौरान किया जाता है। 10 मई 1984 को, भारत सरकार ने बेगम हज़रत महल के सम्मान में एक स्मारक डाक टिकट जारी किया। पहला दिन कवर सीआर पकराशी द्वारा डिजाइन किया गया था, और रद्दीकरण अल्का शर्मा द्वारा किया गया था। 15 लाख टिकट जारी किए गए थे।

रेलवे में अप्रेंटिस के 2,801 पदों पर निकली भर्ती

दक्षिण मध्य रेलवे के आरआरसी (RRC SCR) ने अप्रेंटिस पदों पर 2,801 भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। फीस जमा करने की आखिरी तारीख 11 अप्रैल तय की गई है।

आवेदन शुरू :
12 मार्च से 11 अप्रैल 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
कम से कम 50% अंकों के साथ 10वीं पास।
संबंधित ट्रेड में आईटीआई सर्टिफिकेट प्राप्त किया हो।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 15 साल
अधिकतम : 24 साल
रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में रेलवे नियमों के अनुसार छूट दी जाएगी।

स्टाइपेंड :
8,000 - 12,000 रुपए प्रतिमाह

फीस :
सामान्य, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 100 रुपए
एससी, एसटी, पीडब्ल्यूबीडी, महिला, ट्रांसजेंडर : निःशुल्क

सिलेक्शन प्रोसेस :
मेरिट बेसिस पर
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जाम

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट scr.indianrailways.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर Apprentice Recruitment 2026 से संबंधित लिंक पर क्लिक करें।
अब New Registration पर क्लिक करके रजिस्ट्रेशन करें।
रजिस्ट्रेशन के बाद एप्लीकेशन नंबर और पासवर्ड से लॉगिन करें।
आवेदन फॉर्म में मांगी गई सभी जानकारी भरें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स, फोटो और सिग्नेचर अपलोड करें।

हेवी व्हीकल फैक्ट्री में 450 भर्ती, बिना एग्जाम, इंटरव्यू के सिलेक्शन

हेवी व्हीकल फैक्ट्री ने अप्रेंटिस पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार एनएटीएस पोर्टल nats.education.gov.in पर जाकर फॉर्म भर सकते हैं। शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों की लिस्ट 30 अप्रैल 2026 को जारी की जाएगी। डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन 6 मई 2026 से लेकर 8 मई 2026 तक होगा। इन तीनों ही पदों के लिए अप्रेंटिस की ट्रेनिंग 1 साल के लिए दी जाएगी।

आवेदन शुरू :
16 मार्च से 20 अप्रैल 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
ग्रेजुएट अप्रेंटिस : संबंधित क्षेत्र में इंजीनियरिंग या टेक्नोलॉजी में डिग्री।
टेक्नीशियन अप्रेंटिस : संबंधित क्षेत्र में इंजीनियरिंग या टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा।
नॉन इंजीनियरिंग ग्रेजुएट : आर्ट्स/साइंस/कॉमर्स ह्यूमैनिटीज में ग्रेजुएशन की डिग्री।

एज लिमिट :
अप्रेंटिसशिप नियमों के अनुसार

सिलेक्शन प्रोसेस :
मेरिट बेसिस पर
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

सैलरी :
ग्रेजुएट अप्रेंटिस : 18 हजार रुपए प्रतिमाह
टेक्नीशियन अप्रेंटिस : 16,200 रुपए प्रतिमाह
नॉन इंजीनियरिंग ग्रेजुएट अप्रेंटिस : 18 हजार रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
एनएटीएस पोर्टल nats.education.gov.in पर जाएं।
मांगी गई जानकारी भरें और जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस का भुगतान करें।
फॉर्म सब्मिट करें। इसका प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

दिल्ली स्वास्थ्य मिशन में 116 पदों पर भर्ती

दिल्ली राज्य स्वास्थ्य मिशन (DSHM) ने 116 पदों पर भर्ती निकाली है। यह भर्ती आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के तहत लैब टेक्नीशियन, पैथोलॉजिस्ट, माइक्रोबायोलॉजिस्ट और बायोकेमिस्ट पदों के लिए है। इच्छुक उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट dshm.delhi.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। पैथोलॉजिस्ट और बायोकेमिस्ट के लिए एमबीबीएस के साथ संबंधित विषय में पीजी डिग्री/डिप्लोमा और दिल्ली मेडिकल काउंसिल में रजिस्ट्रेशन जरूरी है। माइक्रोबायोलॉजिस्ट के लिए पीएचडी/एमएससी/एमडी के साथ अनुभव मांगा गया है। लैब टेक्नीशियन के लिए बीएससी (MLT) या डिप्लोमा के साथ अनुभव आवश्यक है। उम्मीदवारों की आयु सीमा 25 से 45 वर्ष रखी गई है। चयन प्रक्रिया इंटरव्यू और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के आधार पर होगी। चयनित उम्मीदवारों को 30,240 से 85,050 रुपए तक मासिक वेतन मिलेगा। आवेदन के लिए वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन कर फॉर्म भरना होगा।

SSB में 1060 भर्ती का नोटिफिकेशन जारी, 80 हजार से ज्यादा सैलरी

सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने कॉन्स्टेबल और हेड कॉन्स्टेबल के 1060 पदों पर भर्ती का ऑफिशियल नोटिफिकेशन जारी किया है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट ssb.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती का विज्ञापन 21 से 27 मार्च 2026 के रोजगार समाचार में प्रकाशित किया गया है।

आवेदन शुरू :
21 मार्च से 20 अप्रैल 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
10वीं, 12वीं पास
संबंधित क्षेत्र में डिप्लोमा।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 27 साल
रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में छूट दी जाएगी।

फीस :
जनरल,ओबीसी,ईडब्ल्यूएस : 100 रुपए
अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति,पूर्व सैनिक, महिला : निःशुल्क
आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को अधिकतम उम्र में छूट दी जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
फिजिकल एफिशिएंसी टेस्ट
फिजिकल स्टैंडर्ड टेस्ट
रिटन एग्जाम
स्किल टेस्ट/टाइपिंग टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
डिटेल्ड मेडिकल एग्जामिनेशन

सैलरी :
21,700 - 81,100 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट ssb.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर अप्लाई ऑनलाइन के लिंक पर क्लिक करें।
अब New Registration पर क्लिक करके रजिस्ट्रेशन करें।

स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया में 323 पदों पर भर्ती

स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (SAI) में कोच के 323 पदों पर भर्ती निकली है। उम्मीदवार SAI की ऑफिशियल वेबसाइट sportsauthorityofindia.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
23 मार्च से 21 अप्रैल 2026 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
एसएआई एनएस-एनआईएस पटियाला या किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कोचिंग में डिप्लोमा।

एज लिमिट :
अधिकतम : 30 साल
आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों को नियमानुसार अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

फीस :
जनरल : 2,500 रुपए
अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, एक्स-सर्विसमैन, महिला : 2,000 रुपए

सिलेक्शन प्रोसेस :
कंप्यूटर-आधारित परीक्षा (सीबीटी)
कोचिंग योग्यता परीक्षण (सीएटी)
शॉर्टलिस्टिंग
मेरिट लिस्ट

सैलरी :
35,400 से 1,12,400 रुपए प्रतिमाह अन्य अलाउंस का लाभ भी मिलेगा।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट sportsauthorityofindia.gov.in पर जाएं।
होम पेज पर APPLY ONLINE JOBS लिंक पर क्लिक करें।
नए पेज पर भर्ती से संबंधित लिंक के आगे Click here to Apply Online पर क्लिक करें।
Register a new user लिंक पर क्लिक करके पहले रजिस्ट्रेशन करें।

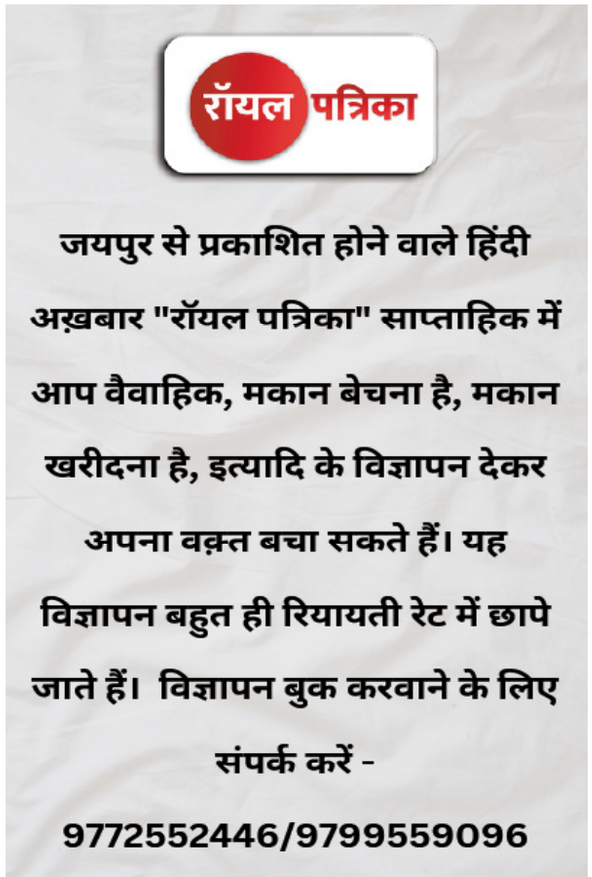

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

(पिछले अंक से जारी) (रणनीति)

171. विजयनगर साम्राज्य की अंतिम लड़ाई कौन-सी थी?
(A) रौप्य युद्ध
(B) तालीकोट की लड़ाई
(C) खानवा का युद्ध
(D) पानीपत का युद्ध
उत्तर: (B)
व्याख्या: 1565 ई. में तालीकोट के युद्ध में विजयनगर साम्राज्य बीजापुर, गोलकुंडा आदि मुस्लिम राज्यों से पराजित हुआ।

172. बहमनी साम्राज्य की स्थापना कहाँ हुई थी?
(A) गुलबर्गा (B) बीदर
(C) बीजापुर (D) दाउलताबाद
उत्तर: (A)
व्याख्या: बहमनी साम्राज्य की स्थापना 1347 ई. में गुलबर्गा को राजधानी बनाकर अलाउद्दीन हसन बहमन शाह ने की थी।

173. बहमनी साम्राज्य की स्थापना किसके शासनकाल में हुई?
(A) मोहम्मद बिन तुगलक
(B) फिरोजशाह तुगलक
(C) सिकंदर लोदी (D) बाबर
उत्तर: (A)
व्याख्या: मोहम्मद बिन तुगलक के शासनकाल (1325–1351) में बहमनी साम्राज्य ने दिल्ली से स्वतंत्रता प्राप्त की थी।

174. बहमनी साम्राज्य की राजधानी बाद में कहाँ स्थानांतरित की गई?
(A) गुलबर्गा से बीदर
(B) बीदर से बीजापुर
(C) गुलबर्गा से दाउलताबाद
(D) बीदर से गोलकुंडा
उत्तर: (A)
व्याख्या: बाद में बहमनी सुल्तानों ने राजधानी गुलबर्गा से बीदर स्थानांतरित कर दी।

175. बहमनी साम्राज्य का विभाजन कितने राज्यों में हुआ था?
(A) तीन (B) चार
(C) पाँच (D) सात
उत्तर: (C)
व्याख्या: बहमनी साम्राज्य के पतन के बाद यह पाँच दक्कनी राज्यों में विभाजित हुआ — बीजापुर, गोलकुंडा, अहमदनगर, बेरार और बीदर।

176. 'कुतुबशाही वंश' की राजधानी थी —
(A) बीदर (B) गोलकुंडा
(C) बीजापुर (D) अहमदनगर
उत्तर: (B)
व्याख्या: कुतुबशाही वंश की राजधानी गोलकुंडा थी, जिसे बाद में हैदराबाद कहा गया।

177. गोलकुंडा अपने किस उत्पाद के लिए प्रसिद्ध था?
(A) रेशम (B) हीरे
(C) इत्र (D) घोड़े
उत्तर: (B)
व्याख्या: गोलकुंडा विश्व प्रसिद्ध हीरों का केंद्र था; कोहिनूर जैसे हीरे यहीं से प्राप्त हुए।

178. 'आदिलशाही वंश' की राजधानी थी —
(A) अहमदनगर (B) बीजापुर
(C) बीदर (D) गोलकुंडा
उत्तर: (B)
व्याख्या: आदिलशाही वंश की राजधानी बीजापुर थी, जहाँ गोल गुम्बज जैसी स्थापत्य कृतियाँ बनीं।

179. गोल गुम्बज का निर्माण किसने करवाया?
(A) मोहम्मद आदिलशाह
(B) इब्राहिम आदिलशाह
(C) हसन बहमन
(D) अबुल फजल
उत्तर: (A)
व्याख्या: गोल गुम्बज का निर्माण बीजापुर के सुल्तान मोहम्मद आदिलशाह ने करवाया था।

180. विजयनगर साम्राज्य के राजाओं की भाषा थी —
(A) संस्कृत (B) तेलुगु
(C) कन्नड़ (D) तमिल
उत्तर: (C)
व्याख्या: विजयनगर साम्राज्य के अधिकांश शासक कन्नड़ और तेलुगु भाषा के ज्ञाता थे, पर शासन की भाषा कन्नड़ थी।

181. हरिहर और बुक्का किस धार्मिक संत से प्रभावित थे?
(A) बसव (B) मध्वाचार्य
(C) रामानुजाचार्य (D) विद्यारण्य
उत्तर: (D)
व्याख्या: विजयनगर के संस्थापक हरिहर और बुक्का संत 'विद्यारण्य' से अत्यधिक प्रभावित थे।

182. बहमनी साम्राज्य की प्रशासनिक भाषा क्या थी?
(A) अरबी (B) फ़ारसी
(C) उर्दू (D) तेलुगु
उत्तर: (B)
व्याख्या: बहमनी साम्राज्य की प्रशासनिक भाषा फ़ारसी थी, जैसा अधिकांश मुस्लिम राज्यों में प्रचलित था।

183. विजयनगर साम्राज्य का पतन कब हुआ?
(A) 1556 (B) 1565
(C) 1576 (D) 1605
उत्तर: (B)
व्याख्या: 1565 ई. में तालीकोट के युद्ध में विजयनगर साम्राज्य पराजित हुआ, जिससे उसका पतन हुआ।

184. "आठ मिनारों वाला शहर" किसे कहा जाता था?
(A) बीजापुर (B) गोलकुंडा
(C) हम्पी (D) दिल्ली
उत्तर: (A)
व्याख्या: बीजापुर को "आठ मिनारों वाला शहर" कहा जाता था, जहाँ मुगल स्थापत्य की झलक मिलती है।

185. बहमनी और विजयनगर राज्यों के बीच कौन-सी नदी सीमा थी?
(A) गोदावरी (B) कृष्णा
(C) तुंगभद्रा (D) कावेरी
उत्तर: (C)
व्याख्या: बहमनी और विजयनगर साम्राज्य के बीच तुंगभद्रा नदी सीमा रेखा के रूप में कार्य करती थी।

-डॉ. एम . ए. खान
प्रोफेसर (भूगोल)

यूपीएससी में मुस्लिम उम्मीदवारों की सफलता कठिन परिश्रम और त्याग का परिणाम

हर साल, संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा के परिणाम संघर्ष, दृढ़ता और आशा की कहानियाँ लेकर आते हैं। विभिन्न पृष्ठभूमियों के उम्मीदवारों की सफलता देश को याद दिलाती है कि समर्पण और कड़ी मेहनत से कई बाधाओं को पार किया जा सकता है। इन कहानियों में, मुस्लिम उम्मीदवारों की उपलब्धियाँ एक ऐसे समुदाय के लिए विशेष महत्व रखती हैं जो अक्सर सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का सामना करता है, लेकिन राष्ट्र के विकास में सकारात्मक योगदान देने में कभी पीछे न रहा। भारत में सिविल सेवाएँ केवल प्रतिष्ठित सरकारी नौकरियों से कहीं अधिक हैं। वे शासन में भागीदारी, समाज सेवा और लाखों लोगों को प्रभावित करने वाली नीतियों को प्रभावित करने के अवसर का प्रतीक हैं। जब युवा मुस्लिम इस परीक्षा में सफल होते हैं, तो वे न केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल करते हैं, बल्कि पूरी पीढ़ी को यह विश्वास दिलाते हैं कि शिक्षा और दृढ़ संकल्प उन दरवाजों को खोल सकते हैं जो कभी दूर लगते थे। सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी का सफर आसान नहीं है। उम्मीदवार इतिहास और अर्थ शास्त्र से लेकर नैतिकता और लोक प्रशासन तक के विषयों का अध्ययन करने में वर्षों व्यतीत करते हैं। वे अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आराम, सामाजिक समारोहों और अक्सर आर्थिक सुरक्षा का त्याग करते हैं। जब उम्मीदवार इतनी कठिन प्रतियोगिता में सफल होते हैं, तो उनकी सफलता दृढ़ता, अनुशासन और शिक्षा की शक्ति में विश्वास को दर्शाती है। हालांकि, इन

सफलताओं से मिलने वाला सबक केवल जश्न मनाने तक सीमित नहीं होना चाहिए। कुछ व्यक्तियों का सरकारी सेवाओं में प्रवेश करना प्रेरणादायक है, लेकिन समुदाय के सामने सबसे बड़ी चुनौती आर्थिक सशक्तिकरण है। शिक्षा का उद्देश्य केवल उच्च स्तरीय करियर तक ही सीमित न रहकर व्यापक रोजगार, कौशल विकास और उद्यमिता को बढ़ावा देना होना चाहिए। शिक्षा केवल उच्च-स्तरीय नौकरियों की ओर ले जाने वाला मार्ग नहीं है। शिक्षा कौशल, अनुशासन, आलोचनात्मक सोच और अपनी परिस्थितियों को बेहतर बनाने की क्षमता के बारे में भी है। इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाला लेकिन कुशल तकनीशियन के रूप में काम करने वाला युवा भी समाज में सार्थक योगदान दे रहा है। यही कारण है कि सिविल सेवा परीक्षा में मुस्लिम उम्मीदवारों की सफलता दो समानांतर रास्तों को प्रेरित करनी चाहिए। पहला रास्ता है शैक्षणिक उत्कृष्टता। युवा छात्रों को उच्च लक्ष्य रखना चाहिए और सिविल सेवा, कानून, चिकित्सा, अनुसंधान और प्रौद्योगिकी जैसे प्रतिस्पर्धी क्षेत्रों में आगे बढ़ना चाहिए। ये पेशे व्यक्तियों को निर्णय लेने वाले स्थानों में अपने समुदायों का प्रतिनिधित्व करने और राष्ट्रीय प्रगति में योगदान करने का अवसर प्रदान करते हैं। दूसरा मार्ग कौशल-आधारित सशक्तिकरण है। व्यावसायिक प्रशिक्षण, तकनीकी शिक्षा और श्रमिक-केंद्रित व्यवसायों को सम्मानजनक और आवश्यक कार्य के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए। सरकारों और शैक्षणिक संस्थानों ने देश भर में कौशल विकास को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम पहले ही शुरू कर दिए हैं। समुदायों को युवाओं को इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए सक्रिय रूप से प्रोत्साहित करना चाहिए। शिक्षा को सेवा, रोजगार और दूसरों के कल्याण में योगदान में परिवर्तित होना चाहिए। इसलिए अगली पीढ़ी के लिए संदेश सरल लेकिन गहरा है: ज्ञान प्राप्त करें, ईमानदारी से काम करें और सत्यनिष्ठा के साथ समाज की सेवा करें। जब शिक्षा रोजगार की ओर ले जाती है और रोजगार सशक्तिकरण की ओर ले जाता है, तो एक समुदाय आत्मविश्वास और गौरव प्राप्त करता है। इसके अलावा, जब गरिमा को विश्वास, धैर्य और कड़ी मेहनत के साथ जोड़ा जाता है, तो सामूहिक प्रगति का मार्ग स्पष्ट हो जाता है।

AI और ऑनलाइन शिक्षा

आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस से कोर्स बनाकर कमाई और करियर का नया रास्ता

आज का दौर तेज़ी से बदल रहा है। टेक्नोलॉजी ने न सिर्फ़ काम करने के तरीके बदले हैं, बल्कि सीखने और सिखाने का अंदाज़ भी पूरी तरह बदल दिया है। आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस (AI) और ऑनलाइन शिक्षा ने मिलकर एक ऐसा रास्ता खोल दिया है, जहाँ कोई भी व्यक्ति अपनी जानकारी, हुनर और अनुभव को ऑनलाइन कोर्स के ज़रिए दुनिया भर के लोगों तक पहुँचा सकता है। सबसे अच्छी बात यह है कि इससे न सिर्फ़ कमाई होती है, बल्कि एक मजबूत और टिकाऊ करियर भी बनाया जा सकता है।

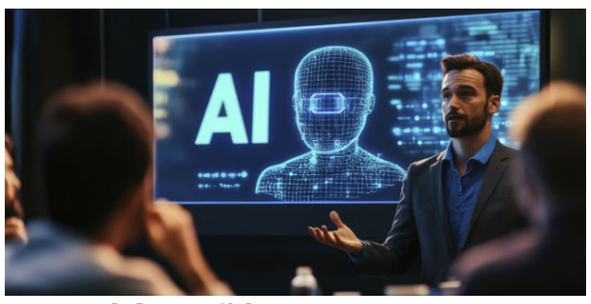

AI टूल्स क्या हैं और ये कैसे मदद करते हैं?-
AI टूल्स ऐसे डिजिटल साधन हैं जो इंसानी सोच और काम को आसान बनाते हैं। जैसे ChatGPT, Synthesia, Canva AI, Pictory आदि। ChatGPT की मदद से आप कोर्स की स्क्रिप्ट, लेक्चर नोट्स, क्विज़ और असाइनमेंट तैयार कर सकते हैं। Synthesia जैसे टूल्स से बिना कैमरे और स्टूडियो के AI अवतार के ज़रिए वीडियो लेक्चर बनाए जा सकते हैं। Canva AI से प्रेज़ेंटेशन, थंबनेल और ग्राफ़िक्स तैयार करना बेहद आसान हो जाता है। पहले जहाँ कोर्स बनाने के लिए बड़ी टीम, महंगा कैमरा और एडिटिंग सॉफ्टवेयर चाहिए होता था, वहीं आज AI की मदद से अकेला इंसान भी प्रोफेशनल क्वालिटी का कोर्स बना सकता है।

किन विषयों पर ऑनलाइन कोर्स बनाए जा सकते हैं?-
ऑनलाइन कोर्स के लिए विषयों की कोई कमी नहीं है। अगर आपके पास किसी भी क्षेत्र का बुनियादी ज्ञान या अनुभव है, तो आप उसे कोर्स में बदल सकते हैं। कुछ लोकप्रिय विषय इस प्रकार हैं:

डिजिटल मार्केटिंग-
SEO, सोशल मीडिया मार्केटिंग, फेसबुक-इंस्टाग्राम एड्स, कंटेंट मार्केटिंग जैसे टॉपिक्स की आज भारी डिमांड है। छोटे बिज़नेस से लेकर बड़े ब्रांड तक डिजिटल मार्केटिंग एक्सपर्ट्स की तलाश में रहते हैं।

फिटनेस और हेल्थ-
योगा, वेट लॉस, होम वर्कआउट, न्यूट्रिशन गाइड जैसे कोर्स हमेशा चलते रहते हैं। अगर आप फिटनेस ट्रेनर हैं या इस फील्ड का अच्छा ज्ञान रखते हैं, तो ऑनलाइन कोर्स आपके लिए बेहतरीन विकल्प है।

फोटोग्राफी और वीडियो एडिटिंग-
मोबाइल फोटोग्राफी, DSLR बेसिक्स, Lightroom या Premiere Pro जैसे सॉफ्टवेयर सिखाने वाले कोर्स काफी लोकप्रिय हैं।

पर्सनल डेवलपमेंट-
टाइम मैनेजमेंट, कम्युनिकेशन स्किल्स, पब्लिक स्पीकिंग, करियर गाइडेंस जैसे विषयों पर भी लोग सीखना चाहते हैं।

Udemy और Skillshare जैसे प्लेटफॉर्म क्यों चुनें?-
Udemy और Skillshare दुनिया के सबसे बड़े ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म हैं। इन पर लाखों स्टूडेंट पहले से मौजूद हैं, इसलिए आपको अलग से ऑडियंस बनाने में ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती। Udemy पर आप अपने कोर्स को एक तय कीमत पर बेच सकते हैं। Skillshare पर आपको देखे गए मिनट्स के हिसाब से कमाई होती है। इन प्लेटफॉर्म्स पर कोर्स अपलोड करना आसान है और पेमेंट सिस्टम भी भरोसेमंद होता है।

AI की मदद से कोर्स बनाने की प्रक्रिया-
विषय चुनें – ऐसा टॉपिक लें जिसमें आपकी पकड़ हो और जिसकी डिमांड हो। कोर्स आउटलाइन बनाएं – ChatGPT से पूरा सिलेबस और लेक्चर प्लान तैयार करवा सकते हैं। वीडियो रिकॉर्डिंग – Synthesia या स्क्रीन रिकॉर्डिंग टूल से वीडियो बनाएं। एडिटिंग और ग्राफ़िक्स – Canva AI और अन्य टूल्स से वीडियो को आकर्षक बनाएं। अपलोड और प्रमोशन – कोर्स को Udemy/Skillshare पर डालकर सोशल मीडिया के ज़रिए प्रमोट करें।

कमाई और करियर की संभावनाएँ-
ऑनलाइन कोर्स से कमाई एक दिन में नहीं होती, लेकिन यह लॉन्ग टर्म इनकम का ज़रिया बन सकता है। एक बार कोर्स बन जाने के बाद वह सालों तक बिकता रहता है। कई लोग महीने के हजारों से लेकर लाखों रुपये तक कमा रहे हैं। इसके अलावा, आपकी पहचान एक एक्सपर्ट के रूप में बनती है। आगे चलकर आपको कंसल्टिंग, फ्रीलांसिंग, ब्रांड डील्स और स्पीकिंग अवसर भी मिल सकते हैं। AI और ऑनलाइन शिक्षा ने सीखने-सिखाने की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। आज बिना बड़े निवेश के, सिर्फ़ अपने ज्ञान और AI टूल्स की मदद से कोई भी व्यक्ति ऑनलाइन कोर्स बनाकर न सिर्फ़ कमाई कर सकता है, बल्कि एक सम्मानजनक और स्थायी करियर भी बना सकता है। अगर आप भी अपने हुनर को दुनिया के सामने लाना चाहते हैं, तो यही सही समय है। AI को अपना साथी बनाइए और ऑनलाइन शिक्षा के इस नए युग में कदम रखिए।

राष्ट्रीय जीवन पर हावी होती आरएसएस की विचारधारा

यह तो सर्व विदित है कि जो भी राजनैतिक पार्टी सत्ता में होती है, अपनी विचारधारा लागू करने का प्रयास करती है। इनमें से अधिकतर विचारधारायें ऐसी रही हैं जिसने जनता को खास प्रभावित नहीं किया है, यानि लागू हो, तो भी ठीक न लागू हो तो भी ठीक। जीवन में कही बड़ा उथल-पुथल या जनता की नाराजगी देखने को नहीं मिली। लेकिन जब से भाजपा सत्ता में आई है, वह अपना नहीं, अपने जन्मदाता संगठन आरएसएस का एजेण्डा लागू करने में जुटी हुई है जो कि हिन्दूवादी संगठन है, जबकि हमारा देश पंथनिरपेक्ष और सभी धर्मों का समान रूप से आदर करने वाला है। निश्चित रूप से आरएसएस (भाजपा) का उद्देश्य देश को हिन्दुवादी राष्ट्र बनाना है, जिसके लिए यह सतत प्रयत्नशील भी है। इसी विचारधारा का प्रभाव हमारे राष्ट्रीय जीवन पर भी दिखने लगा है। दीपावली पर सारे सरकारी विद्यालयों में पुताई करवाना और दीपदान करवाना सर्वविदित है, जबकि दीपावली केवल हिन्दू धर्म का त्यौहार है। एक सरकारी शैक्षणिक संस्थान में गत 15 अगस्त 2025 को मंच पर लाल किले का दृश्य दिखाया गया था, लेकिन तिरंगे झण्डे के स्थान पर भगवा झण्डा चित्रित था जो कि आरएसएस और हिन्दू समाज का झण्डा है। ध्यान दिलाने पर आयोजकों ने "बच्चों ने झांकी बनाई थी, गलती से बन गया होगा" कहते हुए झाँकी हटा ली और लिये गये फोटो भी डिलिट करवाये। इसी साल 26 जनवरी 2026 को उसी संस्थान में मंच पर कई महापुरुषों के फोटो लगाये गये, लेकिन संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का फोटो नहीं लगाया गया। क्या यह जान-बूझकर संविधान-निर्माता के योगदान को भुलाने जैसा नहीं है? साथ ही पोडियम पर राष्ट्रीय चिन्ह सारनाथ का चतुर्मुख सिंह दर्शाया गया, लेकिन राष्ट्रीय वाक्य सत्यमेव जयते गायब था! इसी प्रकार एक सोची-समझी साजिश के तहत किसी बी एन राव को संविधान निर्माता बताया जाना और सरकारों का चुप्पी साधे रहना यही दर्शाता है कि सरकारों का इस मामले में मौन समर्थन है। इस बार भी 26 जनवरी को अखबार विज्ञापनों से भरे पड़े थे, लेकिन तिरंगा झण्डा इक्के-दुक्के विज्ञापन में ही नजर आया।

कारण साफ है। धीरे-धीरे भाजपा और संघ अपनी विचारधारा देश पर लादते जा रहे हैं और इनके सत्ता में होने के कारण विरोध नहीं हो पा रहा है। आरएसएस के कार्यकर्ता घर-घर जाकर ऐसे स्टीकर बांट रहे हैं जिनमें भारतमाता के हाथ में तिरंगा नहीं, भगवा ध्वज है! क्यों? यहाँ राष्ट्रीयता पर धार्मिकता हावी है। अगर ये देश के प्रति निष्ठावान हैं तो तिरंगा लगाने में झिझक कैसी? कुछ वर्ष पूर्व 26 जनवरी के जिला स्तरीय कार्यक्रम में भीलवाड़ा के सुखाड़िया स्टेडियम में बाकायदा आरएसएस की शाखा लगाई गई थी! अब वक्ता और मुख्य वक्ता इस प्रकार भाषण देते हैं मानों आरएसएस ही देश है और देश ही आरएसएस है, जबकि वास्तविकता यह है कि आरएसएस का देश की आजादी में कही कोई योगदान देखने को नहीं मिलता है (सन 2000 के बाद या आरएसएस द्वारा लिखे गये इतिहास में हो तो बात अलग है)। यह संगठन केवल स्वतंत्रता सेनानियों (वो भी केवल हिन्दू और हिन्दुवादी विचारधारा वाले) का आदर सम्मान अवश्य करता है। सरदार पटेल तक ने इस पर प्रतिबंध लगाया था। चन्द्रशेखर आजाद, सरदार भगत सिंह, सुभाषचन्द्र बोस आदि कभी शाखाओं में गये हों, इसका कहीं कोई विवरण नहीं मिलता है। आरएसएस और उसके स्वयंसेवको को दूसरे की लाईन को छोटी करने के बजाय अपनी लाईन को बड़ी करना चाहिए। दूसरों की लाईन छोटी करने से तो खुद का बौनापन ही जाहिर होगा।

-डॉ. श्याम सुन्दर बैरवा, भीलवाड़ा, 8764122431

नया क़ानून न्याय के मूल सिद्धांत का उल्लंघन - एडवोकेट अंसार इंदौरी

-इजरायल के नए फांसी कानून के विरोध में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद को लिखा पत्र

कोटा (रॉयल पत्रिका)। मानवाधिकार अधिवक्ता अंसार इंदौरी द्वारा आज संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद जिनेवा को एक पत्र ज़रिए ईमेल भेजा गया है, जिसमें इजरायल द्वारा हाल ही में पारित किए गए नए फांसी-मृत्युदंड कानून का विस्तृत विरोध किया गया है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई है। उन्होंने अपने पत्र में कई बातें उठाई हैं। पत्र में लिखा गया है कि यह कानून फैसले के लिए सर्वसम्मति की आवश्यकता हटाकर मौत के दंड को सरल बहुमत से देने की संभावना खोलता है, जिससे न्यायिक गलतियों की संभावना बढ़ जाती है। इसके तहत अपील, दंडहास और क्षमा जैसे अवसर अत्यधिक सीमित किए गए हैं, जिससे फिलिस्तीनी कैदियों को उचित न्यायिक समीक्षा और न्यायिक निरीक्षण से वंचित करने का खतरा पैदा होता है। कानून स्पष्ट रूप से पश्चिमी तट में रहने वाले फिलिस्तीनी नागरिकों के विरुद्ध युद्ध क्षेत्रीय न्यायालयों के जरिए लागू होता है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों के अनुसार जातीय-आधारित भेदभाव, असमान दंड और अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून के उल्लंघन के रूप में देखा जा रहा है। पत्र में फांसी द्वारा निष्पादन को क्रूर, अमानवीय और अपमानजनक दंड के रूप में चिन्हित करते हुए इसके विशेष रूप से एक विशेष समुदाय के विरुद्ध लक्षित उपयोग की मजबूत निंदा की गई है। इस पत्र के माध्यम से मानवाधिकार अधिवक्ता ने परिषद से अपील की है कि वे इस मामले पर ध्यान दें। इजरायल को निर्देश दिया जाए कि वह भेदभावपूर्ण और अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून के विपरीत बने इस कानून को वापस ले और अपने मानवाधिकार दायित्वों का पालन करे।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु की मौजूदगी में भव्य समापन

-मालेगांव ने जीता अखिल भारतीय शूटिंग बॉल का खिताब

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । अन्नपूर्णा क्लब, बारां के तत्वावधान में कोटा रोड स्थित खेल संकुल मैदान में आयोजित दो दिवसीय अखिल भारतीय ओपन शूटिंग बॉल प्रतियोगिता का गुरुवार रात भव्य समापन आतिशबाजी और उत्साहपूर्ण माहौल के बीच हुआ। देशभर से आई टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को रोमांचक मुकाबलों का आनंद कराया। पूरे आयोजन के दौरान मैदान खेलप्रेमियों से खचाखच भरा रहा। आयोजन समिति के अध्यक्ष निर्मल माथोडिया एवं सचिव भीमराज चैधरी ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन उच्च स्तरीय व्यवस्थाओं के साथ किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चैधरी ने की। विशिष्ट अतिथियों में क्राइम ब्रांच के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कालूराम वर्मा, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष आनंद गर्ग, भरत मारन सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु ने कहा कि बारां जिले के सभी नागरिकों को नशे एवं धूम्रपान से मुक्त बनाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा, जिसमें युवाओं और खिलाड़ियों का विशेष योगदान अपेक्षित बताया। उन्होंने आमजन से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि पुलिस सदैव आमजन एवं खिलाड़ियों की सहायता के लिए तत्पर है और किसी भी नागरिक को पुलिस से भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है। संरक्षक चंद्रप्रकाश सांखला, अरविंद त्यागी एवं चंद्रप्रकाश राठौर ने बताया कि प्रतियोगिता में सोलापुर, जामनेर, नवी मुंबई, मालेगांव, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, उत्तर प्रदेश एवं

कोटा सहित देशभर की टीमों ने भाग लिया। अंतिम दिन खेले गए मुकाबलों में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल भावना और कौशल का परिचय दिया। चेतन राठौर, सुरेंद्र शर्मा एवं महेंद्र पोटर ने बताया कि फाइनल मुकाबला मालेगांव और हरियाणा की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें मालेगांव की टीम ने 2-1 सेट से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। हरियाणा की टीम उपविजेता रही, जबकि दिल्ली एवं नवी मुंबई की टीमों ने क्रमशः तीसरा एवं चैथा स्थान प्राप्त किया। विजेता टीम को 21,000 रुपये, उपविजेता को 15,000 रुपये, तृतीय स्थान प्राप्त टीम को 7,100 रुपये एवं चतुर्थ स्थान प्राप्त टीम को 5,100 रुपये की पुरस्कार राशि, ट्रॉफी एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान किए गए। बेस्ट नेटर का खिताब दिल्ली टीम के खिलाड़ी विकास गुर्जर को तथा बेस्ट शूटर का पुरस्कार पंजाब के खिलाड़ी अरमान को दिया गया। इसके अलावा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों एवं अंपायरों को भी सम्मानित किया गया। छोटूलाल सुमन, चंद्रमोहन शर्मा, रघुनंदन नागर, गणेश नरवाल, मुकेश धाकड़ एवं रामप्रहलाद वर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता के दौरान देर रात तक दूधिया रोशनी में मैच खेले गए, जिससे आयोजन का आकर्षण और बढ़ गया। संयोजक हंसराज सिंह गौड़ ने सभी खिलाड़ियों, आयोजन समिति, जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन, भामाशाहों एवं खेलप्रेमियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से ही यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। दर्शकों ने भी पूरे उत्साह के साथ खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया। समापन अवसर पर रंगारंग आतिशबाजी ने आयोजन को यादगार बना दिया और पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। सुरेंद्र राठौर, हंसराज मीणा, प्रेमनारायण नागर, मोनू तिवारी आदि ने बताया कि ऐसा भव्य आयोजन 40 वर्ष बाद दुबारा बारां की धरती पर हुआ है।

खंडेलवाल महिला मंडल ने किया लोकसभा का भ्रमण

डॉ. तोहिद

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। कोटा खंडेलवाल महिला मंडल का 80 सदस्यों का दल लोकसभा भ्रमण पर संसद भवन पहुंचा जहां उन्होंने वर्तमान लोकसभा की कार्यप्रणाली के बारे में जाना और गौरव का अनुभव किया। अध्यक्ष ममता खंडेलवाल ने बताया कि संसद यात्रा का कार्यक्रम घोषित होने के साथ ही समाज की महिला मंडल में बेहद खुशी का माहौल था। इस अवसर पर प्रधानमंत्री म्यूजियम, राष्ट्रपति भवन, इंडिया गेट, अमर जवान ज्योति पर परेड देखी और दिल्ली के प्रमुख स्थलों का भ्रमण किया। इस सफलता के साथ ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। महिला मंडल की ओर से अध्यक्ष ममता खंडेलवाल ने लोकसभा अध्यक्ष का साफा पहनाकर एवं सचिव दिव्या खंडेलवाल ने शॉल औढाकर सम्मान किया। इस आयोजन की सफलता में संगीता, संगीता गुप्ता, ज्योति, ममता तोडवाल, निर्मला नैनीवाल, डिम्पल, बिंदु, बोर्ड सदस्य चंदा खंडेलवाल, कोशल घिया, कुसुम खंडेलवाल, बृजबाजा खंडेलवाल तथा हीना का विशेष सहयोग रहा।

एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनलस कोटा का शैक्षिक विकास एवं स्वरोजगार सहायता पर एक दिवसीय सेमीनार का आयोजन

शब्बीर हुसैन

कोटा (रॉयल पत्रिका)। शहर में रविवार 05 अप्रैल को डी सी एम् रोड स्थित चिमनी वाले बाबा दरगाह केम्पस में एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनलस कोटा (ए एम पी, कोटा) की जानिब से शिक्षा के महत्व व स्वरोजगार सहायता पर एक दिवसीय सेमीनार का आयोजन किया गया। शिविर प्रभारी रिज़वानुद्दीन अंसारी के अनुसार प्रोग्राम की अध्यक्षता हाजी रफीक़ मोहम्मद संरक्षक अलफतह मस्जिद कंसुआ ने की। विशिष्ट अतिथियों में उर्दू प्रोफेसर नुसरत फातिमा राजकीय महाविद्यालय कोटा, अरशद अंसारी चेयरमैन वाई जी एन एजूकेशन ग्रुप, मिल्लत चैरिटेबल ट्रस्ट क्लिनिक के उपाध्यक्ष हाजी मुख्तार हुसैन अंसारी, सी ए इस्लाम खान, हाजी मुमताज अली चेप्टर हेड झालावाड़, अली

अफज़ल खान अध्यक्ष अलफतह मस्जिद ने स्टेज की शोभा बढ़ाई । ए एम पी क्लस्टर हेड इंजीनियर सिराज अहमद अंसारी ने ए एम पी की गतिविधियों और प्रोग्रेस की जानकारी दी। केरियर प्वाइंट की BPT छात्रा को 70000/- , व महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय की GNM छात्रा को 47400/- तथा रामगंजमंडी की एक महिला को स्वरोजगार हेतु 45000/- की सहायता राशि के स्वीकृति प्रपत्र दिए गए। इसके साथ पांच महिलाओं को सिलाई मशीन वितरित की गई। प्रोग्राम में AMP भामाशाहों मुस्लिम खान, रऊफ अंसारी, डॉ ए डी खिलजी, डॉ फहद शेख, अतीक अहमद, फारूक खां, मौहम्मद हुसैन मंसूरी , इंजीनियर बी टी खान, डॉ ए आर पठान, मुख्तार शेख , शाहरुख शेख, सुहेल शेख तथा समाज सेवा के क्षेत्र में काम करने वाले ज़हूर अहमद, अनवर शेख, नियामतुल्लाह अंसारी, इंजीनियर सिराज अहमद अंसारी, रिज़वान जैड, फैजुल हक अंसारी, अब्दुल सलाम, अब्दुल मजीद अंसारी, सैफ अली, अनवार अहमद, हसन जुबेर, शाहिद मोहम्मद, शोएब अख्तर, तौसीफ अंसारी आदि को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। अन्त में ए एम पी कोटा चेप्टर सेक्रेट्री शाहनवाज़ खान ने सबका आभार व्यक्त किया। प्रोग्राम का संचालन रिज़वानुद्दीन अंसारी ने किया। प्रोग्राम की तैयारी में कोटा चेप्टर हेड क़मरूज़्ज़मान खान, चैप्टर सेक्रेट्री शाहनवाज़ खान, हसन जुबेर, रईस खान पिंटू, डॉ. फारूख खान तथा ए एम पी कोटा की पूरी टीम का सराहनीय प्रयास रहा ।

रामगंजमंडी के जसविंदर सिंह विक्की को राष्ट्रीय कमेटी में मिली जिम्मेदारी

रामगंजमंडी (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस अ ल्प सं ख्य क विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्र ता प गढ़ी ने पांडिचेरी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर गठित संगठनात्मक कमेटी में रामगंजमंडी के जसविंदर सिंह विक्की को सदस्य नियुक्त किया है। इस कमेटी में शिबली मंजूर को समन्वयक बनाया गया है। जसविंदर सिंह विक्की की नियुक्ति से क्षेत्र में राजनीतिक भविष्य की कामना की। कार्यकर्ताओं ने कहा कि जसविंदर सिंह विक्की की सक्रियता, संगठन के प्रति समर्पण और निरंतर मेहनत के चलते उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वे नई भूमिका को पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निभाएंगे। इस अवसर पर जसविंदर सिंह विक्की ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे इस काम को पूरी लगन निष्ठा के साथ करेगा ।

राईन समाज का स्नेह मिलन व प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

-शहर काजी की मौजुदगी में मृत्युभोज परम्परा को बंद करने का लिया संकल्प

कोटा (रॉयल पत्रिका)। जमीयतुल राईन विकास समिति के अध्यक्ष शकील अहमद ने बताया की अनार वाले बाबा ग्राउंड में राईन समाज की इज़्तेमाई गौठ व भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह शनिवार 04 अप्रैल 2026 को आयोजित किया जिसमे 35 प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया जिसमें मुख्य रूप से कुरआन हाफिज और आलीमा कोर्स की सनद हासिल करने वाले, डॉक्टर्स और 10वी व 12वी कक्षा में 75 प्रतिशत और उससे अधिक अंक प्राप्त करने वालो छात्र छात्राओं सहित समाज के वरिष्ठ नागरिकों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अथिति शहर काजी ज़ुबैर अहमद साहब, महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राखी गौतम और सर्वोदया एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमैन ए०जी०मिर्ज़ा रहे। संस्था के सचिव जोनी राईन ने बताया कि समाज के सभी लोगो ने शहर क़ाज़ी की मौजूदगी में पुराने समय से चली आ रही मृत्युभोज (तीजे और चालीसवे) की परंपरा को बंद करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कच्छ-भुज, गुना, बारां, टोंक, उनियारा, भीलवाड़ा राईन पंचायत से आये प्रतिनिधियों का भी स्वागत किया गया। संस्था की ओर से आगामी नवम्बर माह में 20 जोड़ो का सामुहिक निःशुल्क विवाह सम्मेलन भी आयोजित किया जाएगा। सरपरस्त हाज़ी यूनुस ने सभी मेहमानों को शॉल और माला पहनाकर इस्तक़बाल किया। कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष मुजफ्फर राईन व शरजील राईन ने किया।

राज्य सरकार ओला वृष्टि व आग लगने की घटनाओं पर प्रभावित किसानों की सहायता कर उनको क्षतिपूर्ति राशी प्रदान करे

कोटा (रॉयल पत्रिका)। सौशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया SDPI राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष अशफाक हुसैन ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि राज्य के किसानों के हित को देखते हुए स्थानीय विधायकों एवं सांसदों से यह अपील करती है कि हाल ही में बेमौसम बारिश और ओले गिरने से किसानों को भारी संकट का सामना करना पड़ रहा है उसके लिए अभी तक किसी भी प्रकार के मुआवज़े या क्षतिपूर्ति की कोई कार्यवाही शुरु नहीं हुई यद्यपी राजनेताओं ने इस बाबत वक्तव्य दिए हैं परन्तु आज तक कोई ठोस कार्यवाही शुरु नहीं हुई, कुछ किसान अभी इस सदमें से उभरे भी नहीं थे कि अन्य खेतों में आग लगने की घटनाओं से कई बीघाओं की फसलें जल कर नष्ट हो गईं। ज्ञात रहे किसान इन फसलों से अपने कई लक्ष्यों को निर्धारित करतें हैं जब उनकी फ़सलें चौपट होंगी तो किसानों को आर्थिक और मानसिक संताप से गुज़रना पड़ेगा। लिहाज़ा ऐसे में जिन क्षेत्रों में इस प्रकार की कोई भी प्राकृतिक दुखांतिका की घटनाएँ हुई हैं वहां के जन प्रतिनिधियों चाहे विधायक, मंत्री या सांसद हैं उनको को मानवीय आधार पर अपने अपने क्षेत्र के किसानों को संकट की इस घड़ी में उनके साथ रह कर तुरंत राजकीय सहायता दिलानी चाहिए ताकि जितना संभव हो उनको मदद पहुँच सके।

कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के पूर्व जिलाध्यक्ष शाहिद कुंडी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया

बारां (रॉयल पत्रिका) । जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग बारां के पूर्व अध्यक्ष शाहिद कुंडी के जन्मदिन के अवसर पर शनिवार 04 अप्रैल को दिन भर शुभकामनाओं ओर बधाईयों के संदेश उन्हें मिलते रहे। शाम को जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष जाकिर मंसूरी के नेतृत्व में उनके निजी आवास पर पूर्व जिलाध्यक्ष शाहिद कुंडी का केक काटकर, शॉल ओर माला पहनाकर मुंह मीठा करवाकर उनका जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के जिलाध्यक्ष रहते शाहिद कुंडी ने कांग्रेस को मजबूती दी और पूर्व मंत्री व अंता विधायक प्रमोद जैन भाया ओर पूर्व विधायक पानाचंद मेघवाल की मंशा के अनुरूप सभी को एक साथ लेकर चले, जिससे कि आज जिले भर में कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की टीम मजबूत हुई है। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष जाकिर मंसूरी, अशरफ देशवाली, एडवोकेट असलम भारती, कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष शाहिद इकबाल भाटी, समाजसेवी शेख बहादुर, पूर्व पार्षद नियाज़ मोहम्मद, पूर्व पार्षद अखलाक अंसारी, साबिर खान प्रॉपर्टी, पूर्व प्रदेश सचिव रईस फैजी शायर, कय्यूम गोरी, हसन खान प्रॉपर्टी सहित कई लोग मौजूद रहे।

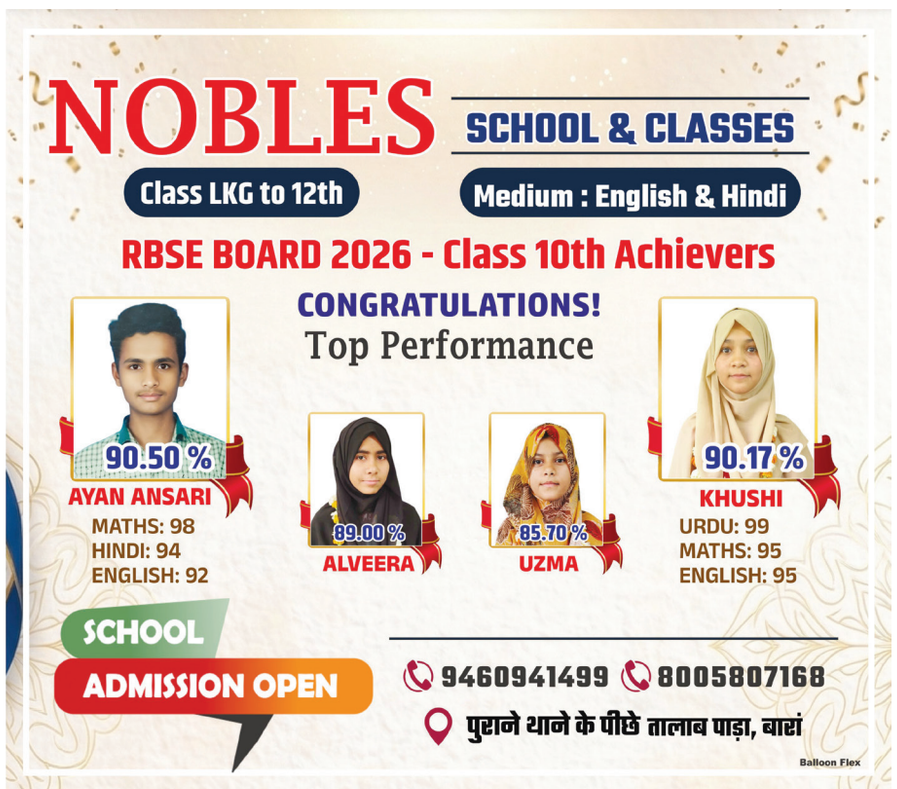

सहारा बाल विद्या निकेतन के परीक्षा परिणाम में छात्राओं ने मारी बाजी

बारां (रॉयल पत्रिका) । शहर के नयापुरा बावड़ी के समीप स्थित सहारा बाल विद्या निकेतन स्कूल ओर सहारा स्टडी प्वाइंट में कक्षा 10वीं ओर कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणाम में छात्रों की अपेक्षा छात्राओं ने बाजी मारी। कक्षा 10वीं में छात्रा रौनक ने 89 प्रतिशत अंक प्राप्त किए वहीं छात्रा अलीना ने 82 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। कक्षा 12 वीं में भी छात्रा अल्फिया चिश्ती ने 82 प्रतिशत तो अर्शी ने 79 प्रतिशत अंक हासिल किए। स्कूल के डायरेक्टर मोहम्मद आफाक ने बताया कि स्कूल के स्टॉफ द्वारा बेहतर शिक्षा उपलब्ध करवाई गई वही छात्र - छात्राओं द्वारा कठिन परिश्रम, समय की पाबंदी ओर स्कूल के प्रति समर्पण जी जान लगाकर छात्र छात्राओं ने कामयाबी हासिल की। परीक्षा परिणाम के बाद स्वागत कार्यक्रम में अध्यापक हाफिज इंसाफ, हनुमान राठौर, पवन कुमार नागर, सीता गोले, आदिल अंसारी, सचिन वर्मा आदि मौजूद रहे।

सुकेत में असरार के असम का चुनाव प्रभारी बनने पर जताई खुशी

डॉ. तोहिद

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। कोटा जिला देहात कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष असरार अहमद को असम विधानसभा चुनाव के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किए जाने पर सुकेत नगर में पहुंचने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका माला पहनाकर स्वागत किया। आतिशबाजी कर साफा पहनाया और अभिनंदन किया। कार्यकर्ताओं ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग ने असम के चायगांव क्षेत्र के लिए गठित चुनाव समन्वय समिति में असरार अहमद को ऑब्जर्वर की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। कार्यक्रम में अब्दुल इस्लाम शेख, सत्यनारायण, मोहम्मद सलीम, शेख मुराद, अब्दुल रऊफ, नियाज मंसूरी, अब्दुल रईस, राजेन्द्र मेघवाल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। असरार के साथ ही बारां जिलाध्यक्ष अली हुसैन टीपू को भी प्रभारी नियुक्त किया है। असरार को प्रभारी बनाए जाने के बाद कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर करते हुए बधाई दी।

किड्स पैराडाइज स्कूल में टॉपर्स को स्कूल द्वारा स्कूटी भेंट की

-स्कूल का 10 वीं व 12वीं का रिजल्ट 100% रहा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर किड्स पैराडाइज शिक्षण संस्थान द्वारा मदीना मुसाफिरखाना में प्रतिभाओं का अभिनंदन किया गया। निदेशक मोहम्मद इशहाक खान ने बताया कि बोर्ड कक्षाओं की टोपर प्रतिभाओं को स्कूटी प्रदान कर सम्मान किया गया। कक्षा दस में टॉपर रही भूमिका पुत्री कन्हैया लाल, आईना चौहान पुत्री जावेद चौहान तथा रुखसार पुत्री असलम खान को विद्यालय द्वारा स्कूटी प्रदान की गई। समारोह की अध्यक्षता रमजान खान ने की। अतिथि पूर्व पार्षद ताजू खान, नवाब खान, शिक्षाविद उस्मान गनी खान दिलावर खानी, इकबाल खान, दुर्गा राम, मुमताज खान, सुलेमान खान आदि उपस्थित रहे। कक्षा 5, 8,10 व 12वीं बोर्ड की अन्य टोपर प्रतिभाओं को सोने व चांदी के मेडल भी प्रदान किए गए। जिसमें मोमेंटो के साथ-साथ सिल्वर एवं गोल्ड कॉइन मैडल

देकर अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। स्कूल छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम किए गए। स्कूल डायरेक्टर ईशाहाक खान ने कहां आज का परिणाम हमारी मेहनत का प्रतिबिंब है सफल होने वाले बच्चों को बधाई लेकिन जो पीछे रह गए वह निराश ना हो याद रखें एक मार्कशीट और मोमेंटो ही आपका भविष्य तय नहीं करता असली विजेता वही है जो गलतियों से सीख कर फिर से खड़ा हो कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास ही सफलता की असली कुंजी है निरंतर प्रयास करते रहे जीत आपकी होगी और सभी के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं। आए हुए अभिभावकों एवं छात्र-छात्राओं व स्कूल स्टाफ का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन स्कूल शिक्षाका ने किया।

नवज्ञान सीनियर सेकेंडरी स्कूल का रिजल्ट शत प्रतिशत रहा

-छात्र-छात्राओं का किया सम्मान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर उस्मानाबाद कॉलोनी स्थित नवज्ञान ज्योति सीनियर सेकेंडरी स्कूल का परिणाम 10वीं 12वीं का सत प्रतिशत रहा। आज नर्सरी स्कूल से लेकर 12वीं तक के बच्चों को रिजल्ट दिया गया। बच्चों के मोटिवेशन के लिए रिजल्ट देते वक्त फोटो सेशन किया गया जिसमें डायरेक्टर अरशद खान ने कहा परिणाम हमारी मेहनत का प्रतिबिंब है। सफल होने वालों को बधाई, लेकिन जो पीछे रह गए वे निराश न हों। याद रखें, एक मार्कशीट आपका भविष्य तय नहीं करती। असली विजेता वही है जो अपनी गलतियों से सीखकर फिर से खड़ा हो। कड़ी मेहनत

और आत्मविश्वास ही सफलता की असली कुंजी हैं। निरंतर प्रयास करते रहें, जीत आपकी ही होगी। स्कूल के प्रधानाचार्य सत्तार खान ने बच्चों को संबोधित किया और अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

नवांकुर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 10 वीं, 12 वीं के शानदार परिणाम पर विद्यार्थियों का सम्मान समारोह

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर अगुना मोहल्ला स्थित नवांकुर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 10 वीं, 12 वीं का शानदार परिणाम रहा संस्था मैं छात्र-छात्राओं को मेंमोन्टो देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अयूब खान रि. एडिशनल एसपी द्वारा विद्यार्थीयों को मोटिवेशनल स्पीच देकर प्रोत्साहित किया आपने कहा शिक्षा में परिणाम आपकी मेहनत का प्रतिबिंब है सफल होने वाले बच्चों को हार्दिक बधाई लेकिन जो पीछे रह गए वह निराश ना हो याद रखें एक मार्कशीट और मोमेंटो ही आपका भविष्य तय नहीं करता असली विजेता वही है जो गलतियों से सीख कर फिर से खड़ा हो। कड़ी मेहनत करें और आत्मविश्वास ही आपकी सफलता की असली

कुंजी है। निरंतर प्रयास करते रहे। जीत अवश्य आपकी होगी और मैं सभी के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं। संस्था के डायरेक्टर मोहम्मद रमजान खान ने अतिथियों का स्वागत किया और शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर परिणाम रहने पर स्कूल स्टाफ और अभी भावको का आभार व्यक्त किया। और कहा हम विश्वास दिलाते हैं की बच्चों का भविष्य संवारने के लिए हम और बेहतर परिणाम के साथ मेहनत करेंगे। उपस्थित गण चंद्रकला, उर्मिला, बंदिया कुमारी, रेखा कुमारी, सरिता देवी, सुनीता कुमारी, चंदा कुमारी, रचना कुमारी, माया देवी, वंदना कुमारी, चंद्रकला राजपूत, तालिब अहमद, नेहा कुमारी आदि। कार्यक्रम का सफल संचालन लुकमान खान ने किया।

मौलाना आजाद स्कूल झारिया में प्रतिभा सम्मान समारोह

चूरू (रॉयल पत्रिका)। निकटवर्ती गांव झारिया में मौलाना आजाद हायर सेकेंडरी स्कूल के प्रांगण में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। स्कूल में, 2026 बोर्ड परीक्षा में, अच्छी मेरिट लाने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि हाजी याकूब थीम, विशिष्ट अतिथि शौकत अली खान झारिया, नजीर मोहम्मद खान रिटायर्ड प्रिन्सिपल, आवेश कुरैशी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नूर मोहम्मद खान रिटायर्ड आबकारी अधिकारी ने की। कक्षा 10 में सुफियाना पुत्री मुख्त्यार खान ने 84% अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। 75% अंको के साथ मोहम्मद अशरफ पुत्र मोहम्मद आरिफ कुरैशी ने दुसरा स्थान प्राप्त किया व अजीज पुत्र असलम खान ने 75% अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। मोहम्मद साहिल पुत्र आबिद कुरेशी, नाजिया पुत्री मजीद खान, रोनक पुत्री आमिन खान, अदनान पुत्र मो. हूसेन, समरीन पुत्री मरहूम साजिद अली, अयान पुत्र मोहम्मद आरिफ अली, मुस्कान पुत्री खान मोहम्मद, नफिसा पुत्री मोहम्मद लतीफ ने प्रथम श्रेणी प्राप्त कर विद्यालय का

गौरव बढ़ाया। कार्यक्रम में गांव के निम्न गणमान्य जन उपस्थित रहे। हिदायत खान, डॉ. भँवर खान, इनायत खान, एन के झारिया, याकूब खान आलमान, नजीर खान मुनियाण, मोहम्मद रफीक कुरैशी, लतीफ कुरैशी, इब्राहीम खान, उस्मान खान, इमाम मौलाना अब्दुल वाहिद, हाजी शरीफ कुरैशी, इशहाक खान, हाजी अल्लाउद्दीन कुरैशी, असलम खान मुनयाण व अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे। हाजी शौकत अली खान झारिया ने संबोधित करते हुए बच्चों से कहा कि अगले वर्ष इसी जगह फिर मिलेंगे और जो बच्ची/बच्चा 90% +अंक प्राप्त करेगा उसको स्कूटी प्रदान की जायेगी। स्कूल के डायरेक्टर दिलशाद खान ने कहा आज का परिणाम हमारी मेहनत का प्रतिबिंब है सफल होने वाले बच्चों को बधाई लेकिन जो पीछे रह गई वह निराश ना हो याद रखें एक मार्कशीट और मोमेंटो ही आपका भविष्य तय नहीं करता असली विजेता वही है जो गलतियों से सीख कर फिर से खड़ा हो कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास ही सफलता की असली कुंजी है निरंतर प्रयास करते रहे जीत आपकी होगी। और सभी के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं आए हुए अतिथि गण एवं अभिभावक को छात्र-छात्राओं ओर स्कूल स्टाफ का आभार व्यक्त करता हूं। और विश्वास दिलाता हूं कि हम बच्चों का भविष्य संवारने के लिए, और अच्छे इन्तेज़ामात करेंगे।

नए मतदाताओं को जोड़ने का अभियान बीएलओ 9 से 5 बजे तक मतदाताओं बूथ पर रहे

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर मदीना मुसाफिर खाने में 18+ नये मतदाताओं को जोड़ने के लिए बीएलओ बूथ लेवल पर कार्य कर रहे हैं। निर्वाचन प्रक्रिया में बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) एक महत्वपूर्ण कड़ी है जो भारत निर्वाचन आयोग के प्रतिनिधि के रूप में जमीनी स्तर पर कार्य करता है। बीएलओ आमतौर पर स्थानीय सरकारी या अर्ध-सरकारी कर्मचारी होते हैं, जैसे शिक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता या पटवारी आदि। इनका मुख्य कार्यः प्राथमिक कार्य मतदाता सूची वोटर लिस्ट को अद्यतन और त्रुटिहीन बनाए रखना है। ये नए मतदाताओं के पंजीकरण

(फॉर्म 6), नाम हटाने (फॉर्म 7) और विवरण में सुधार (फॉर्म 8) के लिए घर-घर जाकर सत्यापन करते हैं। वार्ड संख्या 14 के बी एल ओ महेश कुमार एवं वसीम भाटी ने बताया कि 50 के लगभग नए नाम जोड़ने के लिए फॉर्म आए हैं और निर्वाचन विभाग द्वारा जांच अधिकारी श्रवण कुमार गुर्जर, मनफुल सिंह भी जांच के लिए आए हुए थे। वार्ड के भाजपा बूथ अध्यक्ष मुंशी खान चायल , पार्षद तौफीक खान कांग्रेस प्रतिनिधि जमील चौहान आदि उपस्थित रहे।

बलाई विकास समिति ने 12 अप्रैल को डॉ. अंबेडकर जयंती मनाने का लिया निर्णय

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। शहर के मोरीजा रोड स्थित बलाई सभा-भवन पर शुक्रवार को बलाई विकास समिति जयपुर मुख्यालय-चौमूं के अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। समिति के महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया ने बताया कि आगामी 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135 वी जयंती की पूर्व संध्या पर 12 अप्रैल को बलाई समाज सभा-भवन के सामने भारतरत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती मनाने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर समिति के उपकोषाध्यक्ष नानग राम लुनीवाल, उपमहासचिव हनुमान सहाय झाटीवाल, सचिव राजेन्द्र प्रसाद काला, प्रहलाद राय जाटावत, फूलचंद सिंघल, श्रवण कुमार नारनोलिया आदि मौजूद रहे।

मुस्ताक खान बने बीकानेर शहर व देहात के जिला सह प्रभारी

-प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा ने गुलदस्ता भेंट कर किया स्वागत

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सचिव मुस्ताक खान को प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के निर्देश पर बीकानेर शहर व बीकानेर देहात जिला सहप्रभारी बनाने पर कांग्रेसजनों द्वारा आपका फूल मालाओं से स्वागत किया गया और हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई। एवं शीर्ष नेतृत्व एवं प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा और शीर्ष कांग्रेस नेतृत्व का हार्दिक आभार वक्त किया। मुस्ताक खान ने कहा की हमारे लोकप्रिय प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा द्वारा दी गई इस नई जिम्मेदारी के लिए में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और कांग्रेस पदाधिकारीयों के साथ संवाद कर

कांग्रेस पार्टी को और मजबूती प्रदान करने के प्रयास करूंगा। और सभी मित्रों एवं चूरू के कांग्रेसजनों का मुझे शक्ति, प्रेरणा और अपार समर्थन देने के लिए मैं आपका आभारी रहूंगा।

युवा कांग्रेस चुनाव 2026: चूरू में शोयल खान डीके के समर्थन में तेज हुआ जनसंपर्क अभियान

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर युवा कांग्रेस की ओर से आयोजित होने वाले संगठनात्मक चुनाव को लेकर चुरू जिले में सरगर्मियां तेज हो चुकी है, इसी क्रम में युवा कांग्रेस चूरू के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और वर्तमान में युवा कांग्रेस के चुरू जिला अध्यक्ष पद के प्रमुख उम्मीदवार शोयल खान डीके के समर्थन में चूरू विधानसभा क्षेत्र के 60 वार्डों एवं 110 गांवों में डोर टू डोर जाकर सर्व समाज के युवाओं से जन सम्पर्क कर रहे हैं। जिला अध्यक्ष पद के प्रमुख उम्मीदवार शोयल खान डीके को अधिक से अधिक मत एवं समर्थन देकर विजय बनाने का आह्वान एवं युवाओं द्वारा अपील

की जा रही है। सोहेल खान डीके ने कहा आप के प्यार ओर सहयोग से में चूरू युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ रहा हु ओर उम्मीद करता हु आपका सहयोग मेरे पर हमेशा रहा है इस चुनाव में भी ऐसे ही रहेगा सैकड़ों की संख्या में युवाओं का जोश देखते ही बनता है। युवाओं के जनसमर्थन में आदिल राणा, एहसान खान, अरमान खान, तौफीक मिटकी, नदिम, इरफ़ान खान, नोशाद, सोयल, समीर सुखा, रिज़वान खान, सेजाद, अब्बास खान, अरबाज खान, साहिद खान, अफ़ज़ल, राजा, आवेश खान, मोसीम, मानटी, साहिल, रिहान, अजरु खान, साज़िद, फ़रमान खान, मुस्तकीम, साकीब खान, इकराम, अरमान, ताहिर, साहिद खान आदि समर्थक साथ रहे।

संगठन को मजबूत कर लोकतंत्र बचाने का किया आव्हान - शिशुपाल सिंह निम्बाडा

पाली (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार "संगठन बढ़ाओ, लोकतंत्र बचाओ" अभियान को लेकर पाली जिला कांग्रेस कमेटी की जिला स्तरीय महत्वपूर्ण बैठक पाली जिला कांग्रेस मुख्यालय पर रविवार 5 अप्रेल को जिलाध्यक्ष शिशुपाल सिंह निम्बाडा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिलेभर से ब्लॉक अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष, मण्डल अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में जिलेभर से जोश और उत्साह के साथ कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिशुपालसिंह निम्बाडा ने सम्बोधित करते हुए कहा की प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा पंचायती राज एवं नगर निकाय चुनाव टालकर लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर कर रही है। जिसके विरोध में प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार जिलेभर में चलाए जा रहे "संगठन बढ़ाओ, लोकतंत्र बचाओ" अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार हार के डर से स्थानीय निकाय चुनाव व पंचायतीराज चुनाव टालकर लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर कर रही है। निम्बाडा ने कहा कि पहले 'वन स्टेट-वन इलेक्शन', फिर परिसीमन और अब ओबीसी आयोग की रिपोर्ट का हवाला देकर चुनाव टाले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा माननीय न्यायालय के आदेशों की बार-बार अवेहलना को लोकतंत्र के लिए अनुचित बताया। इस अवसर पर विधायक भीमराज भाटी व प्रदेश कांग्रेस सचिव डिम्पल कँवर ने सम्बोधित कर इस बात पर जोर दिया कि लोकतंत्र को मजबूत बनाए रखने के लिए समय पर चुनाव होना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से प्रदेश कांग्रेस ने 'संगठन बढ़ाओ-लोकतंत्र बचाओ' अभियान शुरू किया है, जिसका लक्ष्य आमजन को जागरूक करना है। पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजीज दर्द व चुनीलाल चाड़वास व विधानसभा प्रभारी मकसूद अहमद ने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि कठिन समय में पार्टी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने वाले कार्यकर्ताओं को भविष्य में संगठन में महत्वपूर्ण भूमिका दी जाएगी। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय

लिया गया कि इस अभियान के तहत आगामी दिनों में ग्राम पंचायतों और शहर के वार्डों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से जनसमस्याओं को उठाया जाएगा और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत किया जाएगा। ब्लॉक अध्यक्ष हकीम भाई ने कहा कि पाली नगर निगम का कार्यकाल नवम्बर 2024 में समाप्त हो चुका है। सरकार अभी तक चुनाव नही करवा रही है। सरकार ने जनता को अपने हाल पर छोड़ दिया है। विकास कार्य ठप्प पड़े है। इस दौरान महावीर सिंह सुकरलाई, नीलम बिड़ला, गोरधन देवासी, करणसिंह मेड़तिया सहित कई वक्ताओ ने जिला कांग्रेस कमेटी के सफल आयोजन पर जिलाध्यक्ष निम्बाडा की सराहना की। मंच का संचालन जोगाराम सोलंकी ने किया। इस दौरान पीराराम पटेल, सुमित्रा जैन, भेरूसिंह सोनाणा, मेहबूब टी, जीवराज बोराणा, प्रकाश सांखला, आनंद सोलंकी, राकेश चौहान, सुनील बैरवा, भंवर राव, एडवोकेट असलम चितारा, नेहपाल सिंह पावा, गुलाबसिंह गिरवर, सुभाष मेवाड़ा, यशपालसिंह शिवतलाव, महेश परिहार, श्रवणसिंह बिठुडा, मांगीलाल सीरवी, साबिर अशरफी, मनीष राठौड़, रतन उदेश, दलवीरसिंह चौहान, अमराराम पटेल, गोरधन प्रजापत, राकेश रेखराज मेवाड़ा, नागेंद्र सिंह गुर्जर, मंगलाराम पटेल, मांगूसिंह दुदावत, सज्जन बी राज, गिरधारी सिंह राजपुरोहित, ताराचन्द चन्दनानी, रफीक चौहान, असगर कुरैश सहित सैकड़ों कांग्रेस जन उपस्थित थे।

स्व. बाबू जगजीवन राम की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई

चुरु (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (अनु. जाति विभाग) के निर्देशानुसार चुरु जिला कांग्रेस कमेटी

अनु. जाति विभाग की ओर से पूर्व उप प्रधानमंत्री स्व. बाबू जगजीवनराम की जयंती के अवसर पर श्रृद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर चुरु जिला कांग्रेस कमेटी अनु. जाति विभाग के जिला अध्यक्ष एडवोकेट सुरेश कुमार कल्ला ने कहा कि स्व. बाबू जगजीवनराम का देश के प्रति उनके अदित्य योगदान को याद किया गया तथा यह संकल्प लिया गया कि जिस तरह से स्व. बाबू जगजीवनराम ने विपरीत परिस्थितियों में देश व समाज को एक नई दिशा देने का काम किया है। हम सब भी उनके पद चिन्हों पर चलकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान प्रदान करेंगे। इस अवसर पर चुरु जिला कांग्रेस कमेटी प्रदेश उपाध्यक्ष एडवोकेट सुनील मेघवाल, जिला अध्यक्ष एडवोकेट सुरेश कुमार कल्ला, एडवोकेट सद्दाम हुसैन, रामकुमार मेहरा, अनिस खान,चन्दन खारड़िया, सुरेन्द्र बरोड़, कन्हैयालाल, महेश मेहरा आदि उपस्थित रहे।

आलीसर निवासी आराध्या दायमा ने 12वीं साइंस में 92.20% लाकर इतिहास रचाया

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। आलीसर निवासी आराध्या दायमा ने माध्यमिक बोर्ड परीक्षा में 12 वीं साइंस में 92.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर गांव का नाम रोशन किया है। आराध्या चौमूं स्तिथ शिवाजी केरियर इंस्टीट्यूट में अध्ययन करते हुए यह सफलता प्राप्त की है। आराध्या ने बताया कि नियमित पढ़ाई व शिक्षकों के मार्गदर्शन से यह मुकाम हासिल किया है। छात्रा के पिता अशोक दायमा सरकारी शिक्षक है व माता मंजू देवी गृहणी है। छात्रा

सिविल सेवा में जाना चाहती है। इस अवसर पर आराध्या दायमा को ग्रामीणों स्मृति चिन्ह व दुपट्टा उड़कर सम्मानित किया इस मौके पर भगवान सहाय यादव वरिष्ठ पत्रकार, संदीप दायमा, राजेंद्र कुमावत, रमेश शर्मा, पप्पू बागडा सहित ग्रामीण उपस्थित तो होकर बच्ची आशीर्वाद देकर उसका मनोबल बढ़ाया।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में पार्टी के लिए प्रचार के लिए सलमान रंगरेज पर्यवेक्षक नियुक्त

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की ओर से राजस्थान युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव सलमान खान रंगरेज को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए मानिकचक 49 - विधानसभा चुनाव क्षेत्र में पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी सौंपे जाने पर अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष, राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी का रंगरेज ने आभार प्रकट किया साथ ही पार्टी के लिए बेहतर कार्य करने का भरोसा जताया।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/9799559096

मोहम्मद काशिफ ने 12वीं में प्राप्त किए 91.20 प्रतिशत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मोहम्मद काशिफ़ ने साइंस बायोलॉजी विषय से 12वीं बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए 91.20% अंक हासिल कर फर्स्ट डीविजन से कामयाबी हासिल की है। मोहम्मद काशिफ़ ने 10 वीं बोर्ड परीक्षा में 92.20% अंक हासिल कर अपने विधालय में फर्स्ट रेकं हासिल की थी। मोहम्मद काशिफ़ के पिता हाजी जावेद खान पेशे से सरकारी अध्यापक हैं,और पिछले 20 वर्षों से लखारा मनिहार समाज के सामाजिक और शैक्षणिक उत्थान के लिए बेहतर ख़िदमात अंजाम दे रहे हैं, मोहम्मद काशिफ़ की बड़ी बहन सबा परवीन नर्सिंग आफिसर के पद पर सवाई मानसिंह अस्पताल जयपुर में कार्यरत हैं और एक बहन सना परवीन गर्वनमेंट मेडिकल कॉलेज भीलवाड़ा से MBBS Final year में डाक्टर की पढ़ाई कर रही है। एक बहन मुस्कान गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज उदयपुर में MBBS Second Year में डाक्टर की पढ़ाई कर रही है, इनका पूरा परिवार शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए मुस्लिम समाज को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने में प्रोत्साहित कर रहा है। मोहम्मद काशिफ़ का सपना सिविल सर्विसेज में जाना है।

जैसलमेर में वरिष्ठ पत्रकार के खिलाफ प्रशासनिक निरंकुशता के विरोध में जयपुर में 7वें दिन भी पत्रकारों का धरना जारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जैसलमेर जिले में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर प्रशासनिक निरंकुशता को लेकर पत्रकार संगठन आईएफडब्ल्यूजे का शनिवार को 7वें दिन भी धरना जारी है। एक प्रशासनिक अधिकारी के काले कारनामों को छुपाने के लिए सरकार के भी हठधर्मिता पर उतर आई हैं। जिसके परिणाम स्वरूप सरकार अभी तक वार्ता करने की पहल तक नहीं कर रही हैं। जिसे लेकर आज धरना स्थल पर प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। पत्रकार संगठन आईएफडब्ल्यूजे के प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र सिंह ने सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि संगठन सरकार से सकारात्मक बातचीत करने हेतु पहले दिन से ही तैयार हैं पर शायद सरकार खुद नहीं चाहती कि ये धरना समाप्त हो। राठौड़ ने कहा कि धरना शुरू होने के बाद सरकार ने जैसलमेर कलेक्टर का तबादला तो कर दिया। लेकिन कलेक्टर ने जैसलमेर रहते हुए जिस तरह के कारनामे किए हैं, उसके अनुसार उन्हें सजा दी जानी चाहिए थी, उसकी जगह उन्हें वित्त विभाग में महत्वपूर्ण पोस्टिंग देकर सरकार ने अपनी ही जीरो टॉलरेंस की नीति की खुलेआम धज्जियां उड़ाई हैं। जिस कलेक्टर के विरुद्ध प्रदेशभर के पत्रकारों में जबरदस्त आक्रोश हैं, जिसके विरुद्ध जैसलमेर की आमजनता में गजब का गुस्सा हैं, जिसके विरुद्ध पर्यावरण प्रेमी सड़क पर उतर आए, उस कलेक्टर में आखिर कौनसी खासियत हैं, जो सिर्फ सरकार को ही नजर आ रही हैं, आमजन को नहीं? उपेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि वें वर्ष 2004 से जैसलमेर स्थित डेजर्ट क्लब में विधिवत अनुमति के साथ 'स्वाद रेस्टोरेंट' का संचालन कर रहे हैं। जिसका दिसंबर 2025 तक का किराया अग्रिम जमा करा रखा था। उसके बावजूद जिला कलेक्टर ने विधि विरुद्ध जाकर रेस्टोरेंट को सीज करने और उसे जमींदोज करने की जो द्वेषपूर्ण कार्रवाई की हैं, जिसका सीधा अर्थ हैं कि उन्होंने एक पत्रकार की आजीविका को तबाह कर पत्रकार पर एक मानसिक और आर्थिक दबाव बनाने का ही काम किया हैं। IAS प्रतापसिंह नाथावत ने जैसलमेर कलेक्टर रहते हुए निजी कंपनियों को फायदा पहुंचाने हेतु नियम विरुद्ध भू-आवंटन किए। जिसे लेकर जब खबरें प्रकाशित की गई और मामले को उजागर किया गया तो उसके प्रतिशोध में पत्रकार की आजीविका को नष्ट किया गया। स्वाद रेस्टोरेंट को तोड़कर कलेक्टर ने करीब 1 करोड़ से भी अधिक का आर्थिक नुकसान पहुंचाया हैं। जिसकी भरपाई की मांग, उस कलेक्टर को निलंबित करने की मांग को लेकर ही पूरे प्रदेश के पत्रकार 29 मार्च को जयपुर पहुंचे और शहीद स्मारक पर ये धरना प्रदर्शन शुरू किया। जिसको आज 7 दिन का समय हो गया, लेकिन सरकार ने अभी वार्ता करने की पहल तक नहीं की है, जिसके कारण पूरे पत्रकार जगत में भारी आक्रोश है। दिनांक 05 और 06 अप्रैल को उपेन्द्र सिंह राठौड़ दिल्ली में देश भर के राष्ट्रीय पदाधिकारियों व प्रदेशाध्यक्षों के साथ होने वाली बैठक में भाग लेंगे, वहां संगठन प्रधानमंत्री कार्यालय को इस गंभीर विषय से अवगत करवाएगा। इस धरना प्रदर्शन को लगातार चलाने हेतु संगठन ने प्रतिदिन एक जिले को जिम्मेदारी सौंपी है जिसके क्रम में शनिवार को सातवें दिन व रविवार को आठवें दिन की जिम्मेदारी सिरोही जिले के पास है और उनका नेतृत्व जोधपुर संभाग प्रभारी विक्रम सिंह करणोत द्वारा किया जा रहा है। धरना स्थल पर दो दर्जन पत्रकार साथी उपस्थित हैं।

प्रोड्यूसर डॉ. भावना शर्मा ने "द नवाब" शोरूम का विजिट किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। एसआरके फिल्म प्रोडक्शन की प्रोड्यूसर डॉ. भावना शर्मा ने शनिवार 4 अप्रैल को राजधानी जयपुर में सहकार सर्किल स्थित एमजीएफ मॉल में "द नवाब" शोरूम का विजिट किया। उन्होंने अपने आगामी शो "ग्लैमर ऑफ बॉलीवुड" और आगामी राजस्थान आइकोनिक सॉन्ग के लिए कॉस्टयूम और फुटवियर के डिज़ाइन के लिए "द नवाब" शोरूम को सर्वश्रेष्ठ बताया है। इस अवसर "द नवाब" शोरूम के ऑनर नवाब खालिक ने बताया कि पिंकसिटी में "द नवाब" शोरूम सभी महिलाओं के लिए एक यूनिक डिज़ाइन लेकर आया है और राजस्थान में इस तरह का ड्रेस और फुटवियर काफ़ी यूनिक है। इस दौरान उनके साथ पूर्व पार्षद जाकिर खान भी उपस्थित रहे।

जोधपुर की मनतशा खानम का मोहम्मद अतीक ने किया सम्मान

-1 लाख से अधिक स्टूडेन्ट्स की छठी नेशनल टैलेंट सर्च 2025 के परिणाम घोषित

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनल्स (एएमपी) ने छठी नेशनल टैलेंट सर्च (एनटीएस) 2025 के परिणामों की घोषणा 3 अप्रैल 2026 को आयोजित एक ऑनलाइन कार्यक्रम में की, जिसमें देशभर से शिक्षाविदों, संस्थानों के प्रतिनिधियों, छात्रों और अभिभावकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी जोधपुर के चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक, एएमपी अध्यक्ष आमिर इदरीसी, ग्रेविटी क्लासेज चेयरमैन मोहम्मद अशफाक और द हिंद गुरु अकादमी के संस्थापक व निदेशक नूर नवाज़ खान सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। पल्स हॉस्पिटल लखनऊ के संस्थापक व एएमपी सदस्य डॉ. अब्दुल अहद ने कहा कि वर्ष 2020 में कोविड लॉकडाउन के दौरान से शुरू इस परीक्षा का मक़सद छोटे शहरों और वंचित वर्गों के छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं के अवसर प्रदान करना है। मुख्य अतिथि मोहम्मद अतीक ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम देशभर की छिपी हुई प्रतिभाओं को सामने लाने और उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अवसरों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हमें कमजोर एवं गरीब लोगों को सरकारी स्कूलों में प्रवेश के साथ ही अधिकतम सरकारी स्कीमों का लाभ लेना चाहिए। आमिर इदरीसी ने कहा कि एनटीएस अब एक राष्ट्रीय अभियान बन चुका है, जो दूरदराज क्षेत्रों के प्रतिभाशाली छात्रों की पहचान कर उन्हें उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की ओर मार्गदर्शन प्रदान कर रहा है। संचालन मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी जोधपुर के रजिस्ट्रार एवं एएमपी एनटीएस के प्रोजेक्ट इंचार्ज मोहम्मद अमीन ने किया। इंस्टीट्यूशनल पार्टनरशिप्स, एएमपी के हेड फैसल सिद्दीकी और एएमपी ट्रेनिंग प्रोजेक्ट मैनेजर ज़ैनब बतूल ने तीनों श्रेणियों में शीर्ष 10 स्टूडेन्ट्स के परिणामों की घोषणा की। इसके कक्षा 8, 9 और 10वीं वर्ग में जोधपुर के स्वर्गीय मेहराज अली खान की पुत्री मनतशा खानम नेशनल टॉपर के साथ फर्स्ट रैंक पर रही। मुख्य अतिथि मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक ने मनतशा खानम के निवास पर जाकर बुके, साफा, प्रशस्ति पत्र और उपहार देकर उन्हें सम्मानित किया। जिसे इस नेशनल वेबिनार के जरिये लाखों लोगों ने लाइव देखा।

सम्मान कार्यक्रम में मनतशा की नानी रहमुन्निशा, मनतशा के मामा केमेस्ट्री लेक्चरर जुल्फिकार अहमद, जीजाजी फिजिक्स लेक्चरर महबूब अली खान और मनतशा की अम्मी रोशन आरा अंसारी सहित मोहम्मद यूसुफ चूंदडीगर व सोहेब सैफी मौजूद रहें। गत 13 दिसंबर 2025 को आयोजित इस परीक्षा में 1 लाख से अधिक छात्रों ने 1200 से अधिक केंद्रों के माध्यम से भाग लिया। एएमपी के ट्रेनिंग पार्टनर्स की ओर से 14 राज्यों के 55 शहरों में 12,000 से अधिक स्कॉलरशिप सीटें भी प्रदान की जा रही हैं।

जेएसआई डॉक्टर्स एवं बुद्धिजीवियों को सम्मानित करेगी

नई दिल्ली। जमात-ए-सिद्दीकी ऑफ़ इंडिया (JSI) (मनिहार, शीशगढ़, चूड़ीहार) की ओर से 50 से ज्यादा जाने माने डॉक्टरों (MBBS) और बुद्धिजीवियों को सम्मानित करने के लिए एक राष्ट्रीय गौरव सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।

यह सम्मान समारोह 26 अप्रैल 2026 को राजा राम मोहन रॉय मेमोरियल हॉल, विष्णु दिगंबर मार्ग, ITO, नई दिल्ली में दोपहर 1:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में जमात-ए-सिद्दीकी ऑफ़ इंडिया (JSI) उन डॉक्टरों के लिए नामांकन आमंत्रित करती है जिन्होंने समाज के लिए उल्लेखनीय सेवा की है। प्रत्येक नामांकन में नामांकित व्यक्ति की संक्षिप्त प्रोफ़ाइल शामिल होनी चाहिए। जमात-ए-सिद्दीकी ऑफ़ इंडिया (JSI) द्वारा गठित एक चयन समिति पुरस्कार विजेताओं के नामों को अंतिम रूप देगी। नामांकन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 10 अप्रैल 2026 है ईमेल और डाक द्वारा। यह जानकारी मोहम्मद शाहिद सिद्दीकी राष्ट्रीय अध्यक्ष जमात-ए-सिद्दीकी ऑफ़ इंडिया (JSI) नई दिल्ली ने दी है।

नोट: इस व्हाट्सएप नंबर पर बायोडाटा भेजें -9868-266-715 सलीम अहमद सिद्दीकी राष्ट्रीय महासचिव व मीडिया इंचार्ज 999-000-7067

उमराह पैकेज बुक कराने से पहले सावधानियाँ

पिछले अंकों में आपने पढ़ा कि उमराह क्या है, उमराह क्यों करना चाहिए, उमराह पैकेज बुक कराते वक़्त टिकट, वीज़ा, होटल, ट्रांसपोर्ट, लॉन्ड्री, खाना, ज़ियारत, गाइड और ट्यूट ऑपरेटर के ताल्लुक़ से क्या-क्या सावधानियाँ रखनी चाहिए।

आइये आज हम बात करते हैं उमराह पर जाने वाले लोगों के बारे में।

उमराह पर जाने से पहले कभी भी ये ख्याल दिल में न लाएं कि पैसा होने की वजह से उमराह पर जा रहे हैं। दुनियां में लाखों करोड़ों लोग हैं जिनको पैसा होने के बावजूद हज-उमराह नसीब नहीं हो रहा। अल्लाह जिसको चाहता है उसको वहाँ की हाज़री नसीब होती है। पैसा देने के बाद हाजी अपने आपको सेठजी और ट्यूर ऑपरेटर को नौकर समझते हैं। ज़रा-ज़रा सी बात पर ट्यूर ऑपरेटर पर गुस्सा करने लगते हैं जबकि कई बार ट्यूर ऑपरेटर की गलती भी नहीं होती, जिन पर ट्यूर ऑपरेटर का कोई कन्ट्रोल भी नहीं होता। जैसे बस का देर से आना, फ्लाइट लेट होना, कमरे की चाबी होटल वाले की तरफ से टाइम पर न मिलना आदि। उमराह पर जाने के बाद जिस तरह से हर एक नेकी और इबादत का बदला मक्का शरीफ में एक लाख गुना और मदीना शरीफ में पचास हज़ार गुना है, उसी तरह हर एक गलती का या गुस्से का अज़ाब भी उतने ही गुना है। अल्लाह रहमान है, रहीम है, अल्लाह माफ़ फरमाये।

आजकल बहुत से लोगों की उमराह पर जाने की वजह रिश्तेदारों और पड़ौसियों को दिखावा करने की है। जबकि उमराह पर जाने की वजह सिर्फ और सिर्फ अल्लाह की रज़ा के लिए, इबादत के लिए, अपने गुनाहों की माफ़ी के लिए होनी चाहिए।

उमराह पर जाने से पहले नमाज़ की पाबन्दी, नाराज़ लोगों को मनाना, हर हाल में अल्लाह का शुक्र अदा करना, सदक़ा देना, उमराह की दुआएँ सीखना, रोज़ खूब पैदल चलना, गुस्से से तौबा करना, सलाम में पहल करना, गलत बयानबाज़ी से बचना, अपने काम खुद करना और वापस आने के बाद इन आदतों को बनाये रखना ज़रूरी है। ये सोचने वाली बात है कि उमराह पर जाने वाले लोग इनमें से कितने काम पाबन्दी के साथ कर रहे हैं, ताकि वापस आने के बाद उन आदतों को बनाये रखने में आसानी हो। एक और बात कि उमराह करके आने के बाद अपने पड़ौसियों, रिश्तेदारों, मिलने जुलने वालों को यह महसूस होना चाहिए कि हाजी के बोलने का, व्यवहार का, चलने फिरने का, बात करने का अंदाज़ बदल गया है। कहने का मतलब लोगों को बदलाव नज़र आना चाहिए, वरना वहाँ जाकर उमराह करके वापस आने के बाद भी पहले जैसे ही रहे तो वहाँ करने क्या गए थे।

अल्लाह रहम करे, जाने से पहल बहुत दिखावा, लाखों रुपए दावतों के खाने पर खर्च करके फिर रवाना होते हैं। वहां जाकर तवाफ़, साफा-मरवाह,और सारी इबादतों के दौरान वीडियो बनाना, लाइव मोबाइल चालू करके रिश्तेदारों को दिखाना कि देखो मैं तवाफ़ कर रहा हूँ। बताइये उमराह की बरकतें कैसे नसीब होंगी।

उमराह पर जाने से पहले उमराह के अरकान बिना सीखे चले जाना आम बात हो गयी है। इसके बाद उमराह सस्ता चाहिए, सुविधायें सारी चाहिए। वहां जाकर वीडियो बनाएंगे हमारे साथ यह गलत हुआ वो गलत हुआ, होटल दूर दे दिया, खाना सही नहीं है। अल्लाह के बन्दों वीडियो बनाते वक़्त ये भी तो बोल दो कि हम सस्ते टूर से आये हैं। एक बात हमेशा याद रखिये कि सस्ता उमराह पैकेज कभी अच्छा नहीं होता और अच्छा उमराह पैकेज कभी सस्ता नहीं होता।

अब्दुल हमीद मंसूरी
(8952937611)
मालिक उमराह ट्यूर ऑफ़ इंडिया

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये अम्बर ऑफसेट प्राईवेट लिमिटेड, 3 A, डी.एल. टॉवर, विध्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल:rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com